www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 30.c
27.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 98.755g
चांदी 107,000kg

2 मुंबई बम धमाकों के सभी दोषी बरी, राष्ट्रीय सुरक्षा के भरोसे को झटका

जिस जगह पर की मारपीट, वहीं डॉक्टर ने मांगी माफी 04

वर्ष :09 | अंक :36 | मुंबई , रविवार , 27 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में अवैध बांग्लादेशियों पर पुलिस का शिकंजा, 10 हिरासत में; निर्वासन की प्रक्रिया शुरू

गुरुग्राम पुलिस ने शनिवार को शहर में अवैध रूप से रह रहे दस बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया। उनके पास से बरामद पहचान दस्तावेजों से उनकी बांग्लादेशी राष्ट्रीयता की पुष्टि हुई। गुरुग्राम पुलिस के जनसंपर्क अधिकारी संदीप कुमार ने कहा, दस अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया गया है। उनके पास से बांग्लादेशी दस्तावेज बरामद किए गए हैं। उन्हें निर्वासित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस बीच, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को देश भर में बंगाली भाषी मुस्लिम नागरिकों को हिरासत में लिए जाने की निंदा की और उन्हें अवैध करार दिया। साथ ही, पुलिस प्रशासन पर उन्हें निशाना बनाने का आरोप लगाया क्योंकि वे पुलिस अत्याचारों का विरोध नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को अवैध प्रवासी करार दिया जा रहा है, वे सबसे गरीब लोग हैं, जो ज्यादातर झुग्गी-झोपड़ियों में रहते हैं और घरेलू नौकरों व कूड़ा बीनने का काम करते हैं। ओवैसी ने तर्क दिया कि उन्हें बार-बार इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वे पुलिस अत्याचारों का विरोध नहीं कर सकते।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की बड़ी फटकार, मरीज एटीएम नहीं, निजी अस्पतालों की मनमानी पर रोक

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मरीजों के साथ गिनी पिग या एटीएम मशीन जैसा व्यवहार किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की है और एक गर्भवती महिला की मौत के मामले में उनके खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्रवाई के खिलाफ एक डॉक्टर की याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार ने कहा कि आजकल नर्सिंग होम और अस्पतालों में अपर्याप्त डॉक्टरों या बुनियादी ढांचे के बावजूद मरीजों को इलाज के लिए लुभाना आम बात हो गई है। अदालत ने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं ने मरीजों से पैसे ऐंठने के लिए उन्हें गिनी पिग/एटीएम मशीन की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इसलिए, अदालत ने नर्सिंग होम के मालिक डॉ. अशोक कुमार राय की याचिका खारिज कर दी, जिन्होंने एक गर्भवती महिला को प्रसव और सर्जरी के लिए भर्ती किया था, जबकि एनेस्थेटिस्ट नर्सिंग होम में देर से पहुँचा था और भ्रूण की मृत्यु हो गई थी। डॉक्टर ने इस मामले में अपने खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को चुनौती दी थी। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि चिकित्सा पेशेवरों को संरक्षण मिलना चाहिए, लेकिन उन लोगों को नहीं जो बिना उचित सुविधाओं, बुनियादी ढांचे या डॉक्टरों के नर्सिंग होम चला रहे हैं।

ये नए भारत का संकल्प है, दुश्मन अब आंख उठाकर नहीं देख सकता

कारगिल विजय दिवस पर बोले सेना प्रमुख

कारगिल विजय दिवस

कारगिल विजय दिवस के मौके पर सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि श्मन अब आंख उठाकर नहीं देख सकता। ये नए भारत का संकल्प है। हमने हमेशा शांति का अवसर दिया पर कायरता का जवाब पराक्रम से दिया।

एजेंसी

नई दिल्लीः कारगिल विजय दिवस के मौके पर सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी का बड़ा बयान सामने आया है। सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर एक निर्णायक जीत है। ऑपरेशन सिंदूर संकल्प, संदेश और जवाब भी है। सरकार से मिली स्वतंत्रता से पाकिस्तान पर सटीक अटैक हुआ और पाकिस्तान को संदेश दिया, आतंकवाद को तबाह करेंगे।

उन्होंने कहा, हमने हमेशा शांति का अवसर दिया पर कायरता का जवाब पराक्रम से दिया। ऑपरेशन सिंदूर हमारा संकल्प है, संदेश भी और जवाब भी। पठानकोट में हुआ कायरतापूर्ण आतंकी हमला पूरे देश के लिए एक गहरी चोट था। लेकिन इस बार भारत ने न केवल शोक जताया, बल्कि ठान लिया कि अब जवाब निर्णायक होगा। देशवासियों का अटूट विश्वास और सरकार द्वारा दी गई रणनीतिक स्वतंत्रता से भारतीय सेना ने एक सुनियोजित, सटीक और निर्णायक जवाब दिया। भारतीय सेना ने 6-7 मई की रात को पाकिस्तान और 9 उच्च-स्तरीय आतंकियों को निशाना बनाया और ये बिना किसी मासूम नागरिक को नुकसान पहुंचाए हुआ। यह केवल जवाब नहीं था, यह स्पष्ट संदेश था कि आतंकवाद को सहारा देने वाले अब नहीं बचेंगे।

सेना प्रमुख ने और क्या कहा?

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कारगिल विजय दिवस के मौके पर कहा, पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह किया गया। सरकार से खुली छूट के चलते सटीक टारगेट को हिट किया गया। पाकिस्तान को उसी की भाषा में समझाया गया। आतंकियों के अड्डे तहस-नहस किए। ये नए भारत का संकल्प है। दुश्मन अब आंख उठाकर नहीं देख सकता। जो भारत के खिलाफ किसी भी साजिश को अंजाम देगा, उस पर आगे भी ऐसी कार्रवाई होगी।

कारगिल के वीर सपूतों को याद कर भावुक हुए राष्ट्रपति-पीएम, दी भावभीनी श्रद्धांजलि

कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी सहित राष्ट्र के नेताओं ने 1999 के कारगिल युद्ध के वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। यह दिवस भारतीय सेना के असाधारण साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है, जिसे देश ने कृतज्ञतापूर्वक याद किया। कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर भारत ने उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने 1999 में पाकिस्तान के साथ हुए कारगिल युद्ध में असाधारण साहस का परिचय दिया और अपने प्राणों की आहुति दी। यह दिवस युद्ध में भारत की विजय का स्मरण कराता है और देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए लड़ने वाले देश के सशस्त्र बलों के अटूट संकल्प की याद दिलाता है। राष्ट्रपति मुर्मू की श्रद्धांजलि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भावभीनी श्रद्धांजलि

देते हुए देश के जवानों की असाधारण वीरता और दृढ़ निश्चय पर जोर दिया। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मैं मातृभूमि के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। यह दिवस हमारे जवानों की असाधारण वीरता, साहस एवं दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। देश के प्रति उनका समर्पण और सर्वोच्च बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

'अंपायर पक्षपाती था, इसलिए हारी कांग्रेस'

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को ठहराया जिम्मेदार

लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) ने पार्टी कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों का चयन करने से पहले कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व उनके विचारों पर विचार करेगा।

एजेंसी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को एक बार फिर भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर निशाना साधा और गुजरात विधानसभा चुनावों में पार्टी की लगातार हार के लिए चुनाव आयोग को ज़िम्मेदार ठहराया। पार्टी के 'संगठन सुजन अभियान' शिविर के दौरान आणंद में कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए, राहुल ने चुनाव आयोग को 'पक्षपाती' करार दिया और जोर देकर कहा कि गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उसके मुख्य आधार पर हराना जरूरी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) ने पार्टी कार्यकताओं को आश्वासन दिया कि विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों का चयन करने से पहले कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व उनके विचारों पर विचार करेगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व राज्य में अपने कार्यकताओं के साथ खड़ा है। पार्टी के 'संगठन सुजन अभियान' शिविर के बाद, कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने राहुल के भाषण की सराहना की, साथ ही चुनाव आयोग और सत्तारूढ़ भाजपा की कड़ी आलोचना की। कांग्रेस के सुरेंद्रनगर ज़िला प्रमुख नौशाद सोलंकी ने कहा कि राहुल ने अपने संबोधन में दावा किया कि अंपायर पक्षपाती था, जिसके कारण पार्टी 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव हार गई। सोलंकी ने कहा कि क्रिकेट में अगर आप बार-बार आउट हो जाते हैं, तो आप खुद पर शक करने लगते हैं। लेकिन फिर आपको एहसास होता है कि आप अपनी गलती की वजह से आउट नहीं हो रहे हैं। यह अंपायर है जो पक्षपात कर रहा है। राहुल जी ने यह बात कही और हमें आत्मविश्वास दिया। उन्होंने कहा कि हम 2017 के गुजरात चुनाव ईसीआई की संदिग्ध मतदाता सूची के कारण हारे थे। उन्होंने कहा कि अगर हम गुजरात में भाजपा को हरा सकते हैं, तो पार्टी को हर जगह हराया जा सकता है। राजकोट कांग्रेस प्रमुख राजदीप सिंह जडेजा ने शिविर के बाद कहा कि राहुल ने पार्टी कार्यकताओं और नेताओं से विभिन्न शहरों और जिलों में लोगों के सामने आने वाले मुद्दों को उठाने को भी कहा है।

सोलंकी ने कहा कि राहुल ने देश की तुलना एक मंदिर से भी की, लेकिन दावा किया कि प्रसाद किसे मिलेगा, यह भाजपा और आरएसएस तय करते हैं। उन्होंने कहा, राहुल जी ने जोर देकर कहा कि भाजपा को उसके मुख्य गढ़ गुजरात में हराना बेहद जरूरी है। उन्होंने हमें बताया कि पार्टी का मानना है कि हमें उत्तर प्रदेश, बिहार और कुछ अन्य राज्यों में (भाजपा को हराने के लिए) कड़ी मेहनत करनी होगी।

ऑपरेशन सिंदूर में मेक-इन-इंडिया की ताकत दिखी :पीएम मोदी

स्वदेशी हथियारों ने आतंकी ठिकाने मिट्टी में मिलाए; आतंक के आकाओं की नींद उड़ाई

पीएम मोदी ने कहा- आज भारत सरकार का मेक इन इंडिया और मिशन मैन्युफेक्चरिंग पर बहुत जोर है। लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मेक इन इंडिया की ताकत देखी है। आतंक के ठिकानों को मिट्टी में मिलाने में स्वदेशी हथियारों ने बड़ी भूमिका निभाई।

एजेंसी

चेन्नई , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को तमिलनाडु के तूतीकोरिन में ?4,900 करोड़ से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें एयरपोर्ट का नया टर्मिनल, हाईवे, पोर्ट और रेलवे विकास, और पावर ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट शामिल हैं। भारत में बने हथियार आतंक के आकाओं की नींद उड़ाए हुए हैं। पीएम ने कहा- मेरा सौभाग्य है कि 4 दिनों की विदेश यात्रा के बाद मुझे भगवान श्री राम की इस पावन धरती पर आने का मौका मिला। मेरी इस यात्रा के दौरान भारत और इंग्लैंड के बीच ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर समझौता हुआ। यह भारत पर दुनिया के बढ़ते विश्वास और भारत के नए आत्मविश्वास का प्रतीक है। पीएम मोदी ब्रिटेन और मालदीव दौरा खत्म करने के बाद दो दिनों के लिए तमिलनाडु पहुंचें। मोदी तूतीकोरिन में राज्य की पारंपरिक वेशभूषा, शर्ट-धोती पहनकर पहुंचे थे।

बिहार में होमगार्ड भर्ती अभ्यर्थी से एंबुलेंस में गैंगरेप

फिजिकल टेस्ट के दौरान दौड़ते समय बेहोश हुई, अस्पताल ले जा रहे ड्राइवर-टेक्नीशियन ने दरिंदगी की

एजेंसी

यह घटना कथित तौर पर 24 जुलाई को हुई जब शारीरिक परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, महिला ने दावा किया कि गाड़ी में बेहोशी की हालत में कई लोगों ने उसके साथ मारपीट की। बोधगया पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

बिहार के बोधगया में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद एक 26 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया है कि चलती एम्बुलेंस में उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। यह घटना कथित तौर पर 24 जुलाई को हुई जब शारीरिक परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, महिला ने दावा किया कि गाड़ी में बेहोशी की हालत में कई लोगों ने उसके साथ मारपीट की। बोधगया पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। प्राथमिकी दर्ज होने के कुछ ही घंटों बाद, पुलिस ने दो संदिग्धों एम्बुलेंस चालक विनय कुमार और गाड़ी में सवार तकनीशियन अजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि दोनों फिलहाल हिरासत में हैं और पूछताछ चल रही है, गया पुलिस ने इस कार्रवाई को त्वरित और तत्काल बताया।

लड़कियों को छेड़ते थे....

राबड़ी देवी का सम्राट चौधरी पर संगीन आरोप, डिप्टी सीएम ने लालू-तेजस्वी का नाम ले किया पलटवार

बिहार चुनाव की गहमागहमी में राबड़ी देवी ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर पुराने गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सम्राट बचपन में गुंडई और लड़कियों को छेड़ते थे। पलटवार करते हुए चौधरी ने कहा, राबड़ी देवी लालू यादव के अपराधी घोषित होने और बेटे की हार के डर से परेशान हैं। यह राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

एजेंसी

बिहार में जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक दल अपने प्रचार अभियान तेज कर रहे हैं। सत्ता-पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी चल रहा है। आरोप-प्रत्यारोप के ताजा दौर में, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी पर गुंडागर्दी और लड़कियों को परेशान करने का आरोप लगाया। राबड़ी देवी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं उन्हें बचपन से जानती हूँ, वह बोरिंग रोड पर गुंडागर्दी करते थे। वह बोरिंग रोड पर लड़कियों को परेशान करते थे। पूर्व मुख्यमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सम्राट चौधरी ने संवाददाताओं से कहा कि राबड़ी देवी इसलिए परेशान हैं।

पाकिस्तान को सबक सिखाने में भारतीय सेना को नहीं लगे 22 मिनट: सीएम योगी

पाकिस्तान को मजबूर होकर करना पड़ा समर्पण, सेना ने पाक के आंतकी कैंप को किया तहस-नहस

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कारगिल विजय दिवस-25 कार्यक्रम में हुए शामिल .बोले, भारतीय सेना के साहस और पराक्रम को देखकर पाकिस्तान अमेरिका की शरण में पहुंचा, लेकिन सेना के सामने एक भी नहीं चली .

एजेंसी

लखनऊ: पाकिस्तान और उसके आतंकवाद ने पुलवामा में 22 निर्दोष यात्रियों को अपना शिकार बनाया। वहीं भारतीय सेना को पूरे पाकिस्तान को सबक सिखाने में 22 मिनट भी नहीं लगे। उन्होंने पाकिस्तान के आतंकी कैंप को तहस-नहस कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पुलवामा में दुस्साहस करने वालों को कीमत चुकाने की बात कही थी। भारतीय सेना के साहस और पराक्रम को देखकर पाकिस्तान अमेरिका की शरण में पहुंचा। भारत एक मोर्चे पर कई देशों से लड़ रहा था। इसके बावजूद भारतीय सेना के सामने पाकिस्तान की एक नहीं चली। फिर अंत में पाकिस्तान को समर्पण के लिए मजबूर होना पड़ा। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कारगिल विजय शहीद दिवस-25 कार्यक्रम में कही।

महाभियोग की तलवार और सुप्रीम कोर्ट की चौखट

जस्टिस वर्मा कैश कांड में 28 जुलाई को बड़ी सुनवाई

यायमूर्ति यशवंत वर्मा के नकदी बरामदगी मामले में 28 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में बड़ी सुनवाई होगी। उन्होंने अपने खिलाफ तीन न्यायाधीशों के पैनल की रिपोर्ट को चुनौती दी है, जिसमें जांच में प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। इस हाई-प्रोफाइल केस के बाद लोकसभा और राज्यसभा दोनों में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी पेश किए गए हैं, जिससे न्यायपालिका में हड़कंप मच गया है।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट सोमवार, 28 जुलाई को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा द्वारा दायर रिट याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें उनके खिलाफ तीन न्यायाधीशों के पैनल की रिपोर्ट को खारिज करने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति वर्मा ने पिछले हफ़्ते सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर 'नकदी बरामदगी मामले' में उनके खिलाफ तीन न्यायाधीशों के आंतरिक जाँच पैनल के निष्कर्षों को चुनौती दी थी। याचिका में पैनल की रिपोर्ट को खारिज करने की मांग की गई है, जिसमें पुख्ता सबूत मिले थे और साथ ही तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश को भी चुनौती दी गई है।

अपमान भाजपा बोली- यह बाबा साहेब का अपमान

उदित राज ने राहुल को बताया 'दूसरा अंबेडकर'

एजेंसी

भाजपा ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी दलितों के साथ-साथ समाज सुधारक का भी अपमान है। भागीदारी न्याय सम्मेलन में कल राहुल गांधी के भाषण से प्रेरित होकर कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अगर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोग उनकी बातों पर ध्यान दें, तो ओबीसी उनके लिए दूसरे अंबेडकर साबित होंगे।

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता उदित राज द्वारा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तुलना डॉ. बीआर अंबेडकर से करने वाले बयान को लेकर शनिवार को कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक घमासान छिड़ गया। भाजपा ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी दलितों के साथ-साथ समाज सुधारक का भी अपमान है। भागीदारी न्याय सम्मेलन में कल राहुल गांधी के भाषण से प्रेरित होकर कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अगर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोग उनकी बातों पर ध्यान दें, तो ओबीसी उनके लिए दूसरे अंबेडकर साबित होंगे। उन्होंने आगे कहा कि ओबीसी को लोकसभा में विपक्ष के नेता के बयानों का समर्थन करना चाहिए। शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में राज ने कहा कि ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को यह सोचना होगा कि इतिहास बार-बार प्रगति के अवसर नहीं देता। उन्हें तालकटोरा स्टेडियम सम्मेलन में राहुल गांधी द्वारा कही गई बातों का पालन और समर्थन करना चाहिए। अगर वे ऐसा करते हैं, तो राहुल गांधी उनके लिए दूसरे अंबेडकर साबित होंगे। उदित राज के पोस्ट के बाद, भाजपा ने बाबासाहेब आंबेडकर का कथित रूप से अपमान करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कांग्रेस पर आंबेडकर की विरासत को कम करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। मालवीय ने कहा, कांग्रेस अब एक और अंबेडकर को खोजने की चिंता में है। लेकिन देश जानता है कि कैसे कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर के साथ विश्वासघात किया और उनका बार-बार अपमान किया, जो इतिहास में दर्ज है। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह ऐतिहासिक विफलता के अलावा कुछ नहीं बन सकते। सवाल यह है कि कांग्रेस दूसरा नेहरू क्यों नहीं खोज रही? क्योंकि यह कोशिश डॉ. अंबेडकर की विरासत और महानता को कम करने की एक साजिश है।

और जहाँ तक राहुल गांधी की बात है, तो वह ऐतिहासिक विफलता के अलावा कुछ नहीं बन सकते। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस दूसरे बीआर अंबेडकर की बात कर रही है, जबकि उसने कभी असली अंबेडकर का सम्मान नहीं किया।

पीएम मोदी की ट्रंप के साथ दोस्ती खोखली साबित हो रही है... जयराम रमेश का केंद्र सरकार पर तंज

रमेश ने कहा कि भारतीय कूटनीति की घोर विफलता, खासकर पिछले दो महीनों में, चार तथ्यों से सबसे ज्यादा उजागर होती है। ये तथ्य प्रधानमंत्री और उनके ढोल पीटने वालों और जयजयकार करने वालों के बड़े-बड़े दावों की पोल खोलते हैं।

एजेंसी

नयी दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए भारतीय कूटनीति की विफलता का आरोप लगाया और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री की दोस्ती खोखली साबित हो रही है। कांग्रेस (महासचिव) के संचार प्रभारी रमेश ने एक्स पर लिखा कि 19 जून, 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा चीन को क्लीन चिट देने की भारत को पहले ही भारी कीमत चुकानी पड़ी है। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी बहुप्रचारित दोस्ती अब खोखली साबित हो रही है। रमेश ने कहा कि भारतीय कूटनीति की घोर विफलता, खासकर पिछले दो महीनों में, चार तथ्यों से सबसे ज्यादा उजागर होती है। ये तथ्य प्रधानमंत्री और उनके ढोल पीटने वालों और जयजयकार करने वालों के बड़े-बड़े दावों की पोल खोलते हैं। 10 मई, 2025 से अब तक राष्ट्रपति ट्रंप 25 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया था। उन्होंने भारत और पाकिस्तान को धमकी दी है कि अगर उन्होंने युद्ध नहीं रोका, तो वे अमेरिका के साथ व्यापार समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि 10 जून, 2025 को, शक्तिशाली अमेरिकी मध्य कमान के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला, आतंकवाद का मुकाबला करने में पाकिस्तान को अमेरिका का एक अभूतपूर्व साझेदार बताते हैं।

सम्पादकीय

जहां निर्माण, वहां भ्रष्टाचार; सरकारी भवनों के निर्माण में लापरवाही

राजस्थान के झालावाड़ में सरकारी स्कूल का जर्जर भवन गिरने से बच्चों की मौत और घायल होने की घटना सरकारी भवनों की लापरवाही दशार्ती है। घटनाओं के बाद जांच और कार्रवाई की बातें होती हैं पर नतीजा कुछ नहीं निकलता। सवाल यह है कि क्या इसके लिए झालावाड़ की घटना का इंतजार था ?राजस्थान के झालावाड़ में एक सरकारी स्कूल का जर्जर भवन गिरने से कई बच्चों की मौत होना और अनेक का गंभीर रूप से घायल हो जाना यह बताता है कि अपने देश में सरकारी भवनों के निर्माण और उनकी देखरेख में कितनी अधिक लापरवाही बरती जाती है।इस तरह की घटनाएं देश के विभिन्न हिस्सों में रह-रहकर होती ही रहती हैं।जब किसी घटना में जनहानि होती है तो शोक जताने के साथ जांच, कठोर कार्रवाई करने की खूब बातें होती हैं, पर नतीजा ढाक के तीन पात वाला रहता है।चूंकि ऐसी ज्यादातर बातें दिखावटी होती हैं, इसलिए घटना-दुर्घटना की तह तक कभी नहीं जाया जाता और न ही जिम्मेदार लोगों को समय रहते ऐसा दंड दिया जाता है, जिससे अन्य सबक सीखें।झालावाड़ की घटना पर भी कहा जा रहा है कि स्कूल का भवन गिरने की घटना को बहुत गंभीरता से लिया गया है।खुद मुख्यमंत्री ने घटना का संज्ञान लिया है।शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है कि जर्जर हो गए स्कूलों में बच्चों को न बैठाएं। क्या ऐसा आदेश जारी करने के लिए झालावाड़ की घटना का इंतजार किया जा रहा था ? शिक्षा निदेशक ने प्रदेश भर के जर्जर स्कूली भवनों की रिपोर्ट मांग ली है। क्या उन्हें नहीं पता था कि राजस्थान में सरकारी स्कूलों की कई इमारतें जर्जर हैं और उनमें बच्चों का पढ़ना जानलेवा साबित हो सकता है ? क्या ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी ?यदि यह सच है कि झालावाड़ के जर्जर स्कूली भवन की मरम्मत के लिए पैसा स्वीकृत हो गया था, लेकिन फाइल अटकी पड़ी थी तो यह भी एक तरह की आपराधिक लापरवाही है। बात केवल राजस्थान के झालावाड़ के खस्ताहाल स्कूली भवन की ही नहीं है।देश में न जाने कितने सरकारी भवन ऐसे हैं, जो जर्जर हैं। आए दिन सरकारी भवनों की खस्ताहाल स्थिति के साथ सड़कों के धंसने, पुलों के गिरने की खबरें आती ही रहती हैं। ऐसा इसलिए है कि जहां निर्माण, वहां भ्रष्टाचार भारत की एक कटु सच्चाई है ।सरकारी निर्माण मानकों की अनदेखी करके किया जाता है।इसका मूल कारण भ्रष्टाचार है।हर तरह के सरकारी निर्माण में रिश्वत का बोलबाला है।नेता-नौकरशाह इसके बारे में सब जानते हैं। कई बार तो वे खुद कमीशनखोरी में शामिल रहते हैं। दुखद यह है कि कोई भी हालात बदलने के लिए तैयार नहीं। केवल निर्माण में ही भ्रष्टाचार नहीं है।इसके साथ-साथ इमारतों, सड़कों, पुलों आदि की देखरेख और उनकी मरम्मत में भी घोटाले होते हैं।

आज का विचार

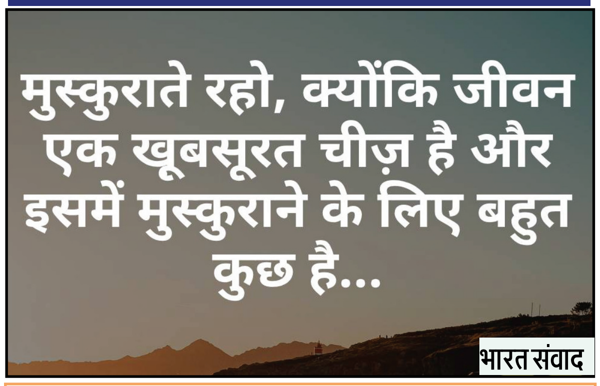

मेष राशि: करियर: आज काम में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और सहयोगियों का साथ मिलेगा. बिजनेस: बड़े निवेश में फायदा मिलने की संभावना है. पुराने प्रोजेक्ट्स से भी लाभ होगा.धन: रुका हुआ पैसा वापस मिलने के योग हैं. शिक्षा: छात्रों को अच्छे परिणाम मिलेंगे और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है लव/पारिवारिक: जीवनसाथी के साथ रिश्ते मधुर होंगे.

वृषभ राशि : करियर: आज आपकी मेहनत रंग लाएगी और कार्यस्थल पर सम्मान मिलेगा. बिजनेस: व्यापार में स्थिरता रहेगी, नई योजनाओं से लाभ संभव है.धन: घर-परिवार पर खर्चा हो सकता है. सोच-समझकर निवेश करें. शिक्षा: पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ेगी.लव/पारिवारिक: मतभेद खत्म होंगे और दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी.

मिथुन राशि: करियर: कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव रहेगा. किसी नई नौकरी का अवसर मिल सकता है.बिजनेस: लेन-देन के मामलों में सावधानी रखें.धन: खर्चों पर नियंत्रण रखें.शिक्षा: छात्रों को कड़ी मेहनत करनी होगी.

कर्क राशि: करियर: योजनाबद्ध तरीके से काम करने से लाभ मिलेगा. बिजनेस: नई साझेदारी से फायदा हो सकता है. धन: धन लाभ के अवसर बनेंगे. शिक्षा: पढ़ाई में नई ऊर्जा महसूस होगी.

सिंह राशि: करियर: वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा. काम में तरक्की के योग हैं. बिजनेस: नया कॉन्ट्रैक्ट या डील फाइनल हो सकती है. धन: रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा. शिक्षा: छात्रों के लिए समय शुभ रहेगा.लव/पारिवारिक: परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा.

कन्या राशि : करियर: काम का दबाव रहेगा, धैर्य से काम लें. बिजनेस: व्यापार में नए अवसर मिलेंगे. धन: अनावश्यक खर्चों से बचें.शिक्षा: किसी नए प्रोजेक्ट पर ध्यान दें. लव/पारिवारिक: रिश्तों में सामंजस्य बनाए रखें. उपाय: हरी सब्जियों का दान करें.

तुला राशि: करियर: काम में सफलता मिलेगी और प्रमोशन की संभावना है. बिजनेस: रुका हुआ पैसा वापस आएगा. धन: विलासिता की वस्तुओं पर खर्च होगा. शिक्षा: छात्रों के लिए दिन लाभदायक रहेगा. लव/पारिवारिक: परिवार में प्रेम और एकता बनी रहेगी.

वृश्चिक राशि :करियर: मेहनत का पूरा फल मिलेगा. बिजनेस: कारोबार में लाभ होगा. धन: परिवार पर धन खर्च होगा. शिक्षा: विद्यार्थियों को पढ़ाई में मन लगाना होगा. लव/पारिवारिक: रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेंगी. उपाय: किसी बुजुर्ग की सेवा करें.

धनु राशि : करियर: नौकरी में नए अवसर मिल सकते हैं.बिजनेस: नई योजना लाभ देगी. धन: रुके हुए पैसे वापस मिलेंगे. शिक्षा: विद्यार्थियों को मेहनत का फल मिलेगा. लव/पारिवारिक: परिवार में खुशी का माहौल रहेगा.उपाय: हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाएं.

मकर राशि : करियर: दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा, पर प्रयास सफल होंगे. बिजनेस: प्रॉपर्टी से लाभ हो सकता है. धन: आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी. शिक्षा: विद्यार्थी नए लक्ष्य तय करेंगे.

कुंभ राशि : करियर: जिम्मेदारियों को सही समय पर पूरा करेंगे.बिजनेस: फैशन और क्रिएटिव क्षेत्र से लाभ होगा. धन: आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी.शिक्षा: छात्रों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे. लव/पारिवारिक: लव लाइफ शानदार रहेगी.

मीन राशि : करियर: कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी. बिजनेस: नए प्रोजेक्ट्स से लाभ होगा. धन: आय के नए स्त्रोत बनेंगे.शिक्षा: छात्र कड़ी मेहनत करें.लव/पारिवारिक: पुराने दोस्त से मुलाकात खुशी देगी.उपाय: मछलियों को आटा खिलाएं.लकी कलर: सिल्वरलकी नंबर: 12

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मुंबई बम धमाकों के सभी दोषी बरी, राष्ट्रीय सुरक्षा के भरोसे को झटका

> **बरी किए गए छोटे-मोटे अपराधी नहीं बल्कि ज्ञात आतंकी संगठनों से जुड़े लोग थे। यह मानना कि वे शांतिपूर्वक समाज में शामिल हो जाएंगे भोलापन है। आशंका है कि रिहाई उन्हें आतंकी नेटवर्क के साथ फिर से जुड़ने तथा और आतंकी हमलों की साजिश बुनने में सक्षम बना सकती है। हाई कोर्ट का फैसला आपराधिक न्याय प्रणाली में जनता के विश्वास को कम करता है।**

पा 7/11 मुंबई ट्रेन विस्फोटों के लगभग दो दशक बाद बांबे हाई कोर्ट द्वारा सभी 12 दोषियों को बरी करने के फैसले ने देश को झकझोर दिया।इसमें 180 से ज्यादा लोग मारे गए थे और 800 से अधिक घायल हुए थे।न्यायिक स्वतंत्रता और कानून का शासन हमारे लोकतंत्र के आधार स्तंभ हैं, पर इतने बड़े मामले में आपराधिक न्याय प्रणाली का ध्वस्त होना न केवल कानूनी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करता है।सितंबर 2015 में आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) के नेतृत्व में नौ साल की लंबी जांच के बाद महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) की एक विशेष अदालत ने इन बम विस्फोटों में 13 में से 12 अभियुक्तों को दोषी ठहराया था।पांच को मौत की सजा, सात को आजीवन कारावास और एक को बरी कर दिया गया था।मौत की सजा पाए एक दोषी कोविड के कारण जेल में मर गया था।बांबे हाई कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने में ह्यपूरी तरह विफलह्ण रहा और सभी 12 लोगों को बरी कर दिया।हाई कोर्ट की टिप्पणियां प्रक्रियात्मक कठोरता पर आधारित हैं।विशेष अदालत ने जिन साक्ष्यों के आधार पर दोषसिद्धि के लिए पर्याप्त आधार पाया था, उन्हें ही खारिज करना न केवल पीड़ितों और जांच के लिए अनुचित है, बल्कि खतरनाक भी। बरी किए गए छोटे-मोटे अपराधी नहीं, बल्कि ज्ञात आतंकी संगठनों से जुड़े लोग थे।यह मानना कि वे शांतिपूर्वक समाज में शामिल हो जाएंगे, भोलापन है।आशंका है कि रिहाई उन्हें आतंकी नेटवर्क के साथ फिर से जुड़ने तथा और आतंकी हमलों की साजिश बुनने में सक्षम बना सकती है।हाई कोर्ट का फैसला आपराधिक न्याय प्रणाली में जनता के विश्वास को कम करता है।जब बड़े आतंकी मामलों में न्याय से इन्कार होता दिखता है तो लोग उचित प्रक्रिया में विश्वास खोने लगते हैं।इसके चलते मीडिया ट्रायल और न्यायेतर कार्रवाई की मांग होती है। हैदराबाद में दुष्कर्मियों के मुठभेड़ मामले में ऐसा देखा गया।ऐसे फैसले आतंकवाद के प्रति सख्त राष्ट्र के रूप में भारत की वैश्विक छवि को भी कमजोर करते हैं। बालाकोट हमले, आपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों और ह्यकिसी भी आतंकी कृत्य को युद्ध माना जाएगाह्ण जैसी घोषणाओं ने ताकत का प्रदर्शन किया, पर 7/11 के मामलों में आतंकियों के बरी होने से यह धारणा बनती है कि भारत आतंकवाद के मामले में एक ह्यनरम राज्यह्ण है।एटीएस और एनआइए जैसी एजेंसियों के लिए यह नतीजा बेहद निराशाजनक है। वर्षों की उच्च जोखिम वाली जांच और मेहनत की अनदेखी की जा रही है।यह उचित प्रक्रिया या निष्पक्ष सुनवाई को छोड़ने का तर्क नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आघात और सुरक्षा खतरों से जुड़े मामलों में न्यायिक संवेदनशीलता का आह्वान है।विशुद्ध रूप से प्रक्रियात्मक दृष्टिकोण से जनता के विश्वास, मनोबल और सुरक्षा को कमजोर करने का जोखिम भी है।बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाने वाले आतंकवाद को बिना सजा के नहीं छोड़ा जा सकता है।न ही संदिग्धों को आतंकी नेटवर्क में फिर से शामिल होने के लिए रिहा किया जा सकता है।आतंकियों का बरी होना जांच, अभियोजन और न्याय प्रणाली में सुधार के लिए एक चेतावनी है।भारत की औपनिवेशिक युग की आपराधिक न्याय प्रणाली आतंकवाद का सामना करने में सक्षम नहीं। आतंकी उन्नत उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं और बहुत कम सुबूत छोड़ते हैं, फिर भी यह व्यवस्था प्रत्यक्षदर्शियों जैसे पारंपरिक प्रमाणों की मांग करती है।नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा करना महत्वपूर्ण है, लेकिन पुराने मानदंडों का आंख मूंदकर पालन करने से उच्च जोखिम वाले राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में न्याय से समझौता नहीं होना चाहिए।यह मामला न्यायपालिका को गंभीर आत्मचिंतन के लिए बाध्य करता है।दो अदालतें इतने अलग-अलग नतीजों पर कैसे पहुंच सकती हैं? एक मौत की सजा सुनाती है, दूसरी पूरी तरह से बरी कर देती है? उड़ीसा उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और अब वरिष्ठ अधिवक्ता एस. मुरलीधर का दो आरोपियों का प्रतिनिधित्व करने में शामिल होना जटिलता को बढ़ाता है।जहां निष्पक्ष कानूनी प्रतिनिधित्व एक मौलिक अधिकार है, वहीं एक पूर्व शीर्ष न्यायाधीश की भागीदारी नैतिक और संस्थागत चिंताओं को जन्म देती है।भारत की आंतरिक सुरक्षा और आतंकवाद के मामलों में न्याय सुनिश्चित करने के लिए सुधार और संस्थागत आत्मनिरीक्षण जरूरी हैं। आपराधिक न्याय प्रणाली में पुलिस, अभियोजन और न्यायपालिका शामिल हैं।पुलिस इलेक्ट्रानिक निगरानी, साइबर फोरेंसिक और बहुभाषी खुफिया जानकारी जैसी बदलती तकनीक के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश कर रही है।न्यायपालिका को भी तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल बिठाना होगा।यूएपीए, मकोका और सीआरपीसी जैसे कानून एन्क्रिप्टेड डाटा, विदेशी संचालकों और छद्म युद्ध से निपटने के लिए विकसित हो रहे हैं, फिर भी न्यायिक देरी, असंगत फैसले और बाहरी प्रभाव परिणामों में बाधा बन रहे हैं।सुधारों में न केवल जांचकताओं के लिए, बल्कि न्यायाधीशों और अभियोजकों को भी राष्ट्रीय सुरक्षा कानून में विशेष प्रशिक्षण की जरूरत है।गवाहों की सुरक्षा और फोरेंसिक प्रोटोकाल को मजबूत करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।गवाह अक्सर बड़े अपराधियों की धमकियों के आगे झुक जाते हैं।न्याय अपने परिणामों से अनभिज्ञ होकर, अलग-थलग होकर काम नहीं कर सकता है। 7/11 के दोषियों का बरी होना भारत की संस्थागत परिपक्वता की परीक्षा है।सुप्रीम कोर्ट ने बांबे हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है।अब सुरक्षा के प्रति सचेत दृष्टिकोण के साथ मामले की फिर से जांच करनी होगी।क्या वह व्यवस्था, जिसने मुंबई के सबसे घातक ट्रेन हमले के लिए किसी को भी दोषी नहीं पाया, न्याय सुनिश्चित करने का दावा कर सकती है? सुप्रीम कोर्ट को न केवल कानूनी दृष्टि से, बल्कि राष्ट्रीय जवाबदेही की भावना से भी इस मामले पर विचार करना होगा।

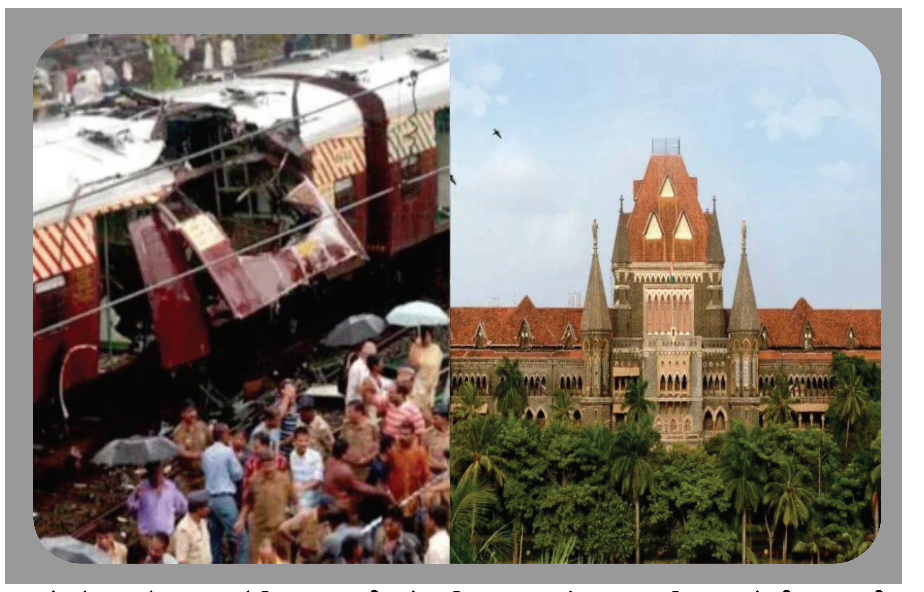

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौताः एक क्रांतिकारी कदम

ललित गर्ग

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की अंतिम स्वीकृति ने न केवल वैश्विक व्यापार जगत में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य को भी एक नई दिशा दी है। दोनों देशों के बीच आखिरकार फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने का फायदा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से संरक्षणवाद बढ़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका और भी अहम हो जाती है।इस समझौते से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल अमेरिका बल्कि अन्य देशों को भी भारत की मजबूत होती स्थिति का आइना दिखाया है, जो उनकी दूरगामी एवं कूटनीतिज्ञ राजनीति का द्योतक है।इस समझौते को मौजूदा दौर में दुनियाभर में जारी बहुस्तरीय तनाव, दबाव एवं दादागिरी की राजनीति के बीच एक बेहतर एवं सूझबूझभरी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है। यह छिपा नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने शुल्क के मोर्चे पर एक बड़ा द्वंद्व एवं संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन भारत ने इस द्वंद्व के बीच झूकने की बजाय नये रास्ते खोजे हैं। निश्चित ही यह व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) महज एक कागजी करार नहीं, बल्कि ह्यविकसित भारत 2047ह्ण के स्वप्न को मूर्त रूप देने की ठोस रणनीति है।जहां एक ओर यह समझौता 99 प्रतिशत टैरिफ को समाप्त कर वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, कृषि व रत्न-आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को नई उड़ान देगा, वहीं दूसरी ओर छोटे उद्यमों, मछुआरों और किसानों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाएगा। भारत के ग्रामीण अंचलों से हल्दी, दाल, अचार जैसे उत्पाद अब ब्रिटिश बाजारों में अपनी महक फैलाएंगे।

मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार से गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर जोर दिया, उसी का परिणाम है यह करार। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अब भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए विश्व से संवाद करता है। यह समझौता सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, यह सेवा क्षेत्र, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, निवेश, सामाजिक सुरक्षा, और दोहरे कराधान जैसे क्षेत्रों में भी भारतीयों के लिए नए दरवाजे खोलता है। खासकर ब्रिटेन में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के लिए यह राहत का संदेश है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट मिल सकेगी। यह समझौता इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि अब तक अमेरिका की ओर से पैदा किये गये किसी दबाव के आगे भारत ने झुकना स्वीकार नहीं किया और उसने भारत-ब्रिटेन जैसे नये विकल्पों को खड़ा करने और पुराने को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाये हैं।

ब्रिटेन के साथ यह एफटीए एक उदाहरण है कि कैसे भारत न्यायसंगत और समावेशी व्यापार समझौते कर सकता है, जिसमें न तो अपने किसानों, न ही डेयरी क्षेत्र या छोटे उत्पादकों को नुकसान होता है। भारत ने संवेदनशील क्षेत्रों को समझौते से बाहर रखकर आत्मनिर्भरता और खाद्य सुरक्षा की अपनी नीति को बरकरार रखा है। वर्तमान में भारत का वैश्विक व्यापार लगभग 21 अरब डॉलर है, जो इस समझौते के बाद 2030 तक 120 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना रखता है। यह न केवल विदेशी निवेश को आकर्षित करेगा, बल्कि भारत की मैन्युफैक्चरिंग हिस्सेदारी को 17 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक बढ़ाने में सहायक होगा। इस करार के साथ, मोदी सरकार ने साबित कर दिया है कि जब नियोजित दृष्टिकोण, वैश्विक प्रतिष्ठा और साहसिक निर्णय साथ चलते हैं, तो भारत जैसे विकासशील देश भी वैश्विक मंच पर निर्णायक बन सकते हैं।भारत और ब्रिटेन के बीच सीईटीए के अस्तित्व में आने से एक नये आर्थिक सूर्य का उदय हुआ है, जिससे रोजगार सहित अनेक उन्नत राष्ट्र-निर्माण के अवसर सृजित होंगे। सीईटीए की संकल्पना आस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और कुछ अन्य देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों के अनुरूप ही है। यह मोदी सरकार की भारत को 2047 तक विकसित बनाने की संकल्पना से जुड़ी रणनीति का एक हिस्सा है। मोदी सरकार ने भारत को तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने के अपने संकल्प में नये पंखों को जोड़ते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को फिर से स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई है। विकसित देशों के साथ एफटीए इस रणनीति के केंद्र में है। ऐसे समझौते व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताओं को दूर करके निवेशकों का विश्वास बढ़ाते हैं।पिछली यूपीए सरकार ने भारत के व्यापारिक दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने वाला रवैया अपनाया था, लेकिन अतीत की उन बड़ी भूलों को सुधारा जा रहा है, जो नये भारत-विकसित भारत का आधार है।मोदी के मेड इन इंडिया संकल्प की दृष्टि से यह डील बेहद अहम है। इससे करीब 99 प्रतिशत निर्यात यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजों पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इसी तरह ब्रिटेन से आनी वाली चीजें भारत में सस्ती मिल सकेंगी। जिससे आम लोगों को अधिक गुणवत्ता वाला सामान सस्ते में सुलभ होगा और जीवनस्तर में व्यापक सुधार होगा। डील से एक बड़ा फायदा होगा टेक्सटाइल्स, लेदर और इलेक्ट्रॉनिक्स को। इनसे मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। अभी ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.8 प्रतिशत है, जबकि चीन की 28.8 प्रतिशत। इसी तरह, देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान 17 प्रतिशत है और सरकार इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहती है। इस तरह की डील से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा। कृषि सेक्टर को भी उन्नत बनाने एवं अधिक उत्पाद की दृष्टि से व्यापक फायदा होगा। इसके लिए इस समय भारत की बातचीत अमेरिका से भी चल रही है। लेकिन वहां कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के हितों को देखते हुए भारत ऐसा नहीं कर सकता। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा ।क्रांतिकारी सुधारों, नवाचार, तकनीक, कारोबारी सुगमता और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आर्थिक सूरज के रूप में उभारने में मदद की है, जहां विपुल संभावनाएं हैं। आज दुनिया भारत की ओर आशाभरी नजरों से देख रही है और भारत की अद्भुत विकासगाथा का हिस्सा बनना चाहती है। प्रमुख देशों द्वारा एक के बाद एक एफटीए इसी मान्यता की पुष्टि करते हैं। ब्रिटेन के साथ यह व्यापार समझौता बाजार पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के एफटीए वस्तुओं और सेवाओं से कहीं आगे तक सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं नागरिक हितों तक जाते हैं।

मेवात में खाता फ्रीज बना नासूर

राजेश खण्डेलवाल

साइबर क्राइम के कारण आए दिन सुर्खियों में रहने वाले मेवात में बहुतेरे दुकानदार अपने बैंक खातों के फ्रीज होने की समस्या से जूझ रहे हैं। राजस्थान के मेवात में साइबर ठगी की बढ़ती वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए भरतपुर पुलिस ने ऑपरेशन एंटी-वायरसह्ण शुरू किया जिसके सार्थक परिणाम भी सबके सामने आए लेकिन दुकानदार आज भी बैंक खाता फ्रीज होने जैसी समस्या से छुटकारा मिलने की राह ताक रहे हैं। बैंक अधिकारियों का तर्क है कि दुकानदार के खाते में फ्रॉड की राशि ऑनलाइन ट्रांसफर होने पर पुलिस उनके खातों को फ्रीज करने का निर्देश देती है जिसकी पालना करना हमारी मजबूरी है। वहीं पुलिस अफसरों का तर्क यह होता है कि यह अनुसंधान का मामला है, इसलिए खाते फ्रीज कराना जरूरी है। वहीं दुकानदारों का कहना है कि उनके पास ऐसा कोई पैमाना नहीं है, जिससे यह तय हो सके कि ग्राहक उन्हें जो ऑनलाइन पैमेंट कर रहा है कि वह राशि फ्रॉड की है या सुरक्षित है। उन्हें तो पता तब चलता है कि जब उनका बैंक खाते से लेनदेन ही बंद हो जाता है। बैंक पहुंचते हैं तो पता चलता है कि पुलिस ने उनके खाते का फ्रीज करा दिया है ।हालात यह है कि किसी दुकानदार का गुजरात की क्राइम ब्रांच ने तो किसी अन्य दुकानदार का तमिलनाडू की क्राइम ब्रांच ने खाता फ्रीज कराया है। पुलिस थानों में चक्कर काटते हैं तो भी उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिल पाता है। दुकानदारों का कहना है कि इससे उन्हें व्यापार करने में काफी परेशानी आ रही है। मेवात में बैंक खाता फ्रीज होने जैसी समस्या से जूझते कई दुकानदारों ने तो ऑनलाइन पैमेंट लेना ही बंद कर दिया है। दुकानदारों के इस तरह के कदम से उन ग्राहकों को असुविधा झेलनी पड़ रही है जो सही तरीके से ऑनलाइन पैमेंट करना चाहते हैं और उनकी जेब में नकदी नहीं होती है। राजस्थान के मेवात में ऐसे सैंकड़ों की संख्या में बैंक खाते हैं जो अब भी फ्रीज पड़े हैं और दुकानदार बैंक और पुलिस के चक्कर काटते-काटते थक चुके हैं ।वर्ष 2024 में ऑपरेशन एंटी-वायरस तत्कालीन आईजी राहुल प्रकाश को इसलिए शुरू करना पड़ा कि डीग देश में साइबर अपराध का नम्बर वन हॉट स्पॉट बन गया था। यहां के साइबर अपराधियों से देश के हर प्रदेश के लोग त्रस्त थे। कुछ मामलों में तो पीड़ितों ने आत्महत्या तक कर ली थी। ऐसे कारणों से साइबर अपराध पर अंकुश लगाना सरकार के प्राथमिकताओं में शामिल हुआ। स्थिति ऐसी हो गई कि देश के कुल साइबर अपराधों में से 21 फीसदी केवल डीग से हो रहे थे। ऑपरेशन एंटी-वायरस के तहत पुलिस ने मेवात में गांव-गांव जाकर धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के साथ पंचायत कर समझाया। इतना ही नहीं, गांव के युवाओं को यह समझाया कि साइबर क्राइम का रास्ता आपका भविष्य खराब कर देगा। पुलिस ने स्कूल, कॉलेजों में साइबर कानून और सुरक्षा को लेकर विद्यार्थियों को जागरूक करने का प्रयास किया। राजस्थान के मेवात में साइबर ठगी जैसे गोरखधंधे में युवा ही नहीं बल्कि बच्चे भी लिप्त पाए गए, जिन्हें उनके ठिकानों से पुलिस ने दबोचा। मेवात में कई बार पुलिस को विरोध भी झेलना पड़ा लेकिन पुलिस ने अपनी रणनीति से साइबर ठगों के मंसूबों पर पानी फेरा। मेवात में साइबर अपराध के खिलाफ माहौल बनने लगा तो जिम्मेदार ग्रामीण भी पुलिस की मदद करने को आगे आने लगे। इन मददगार ग्रामीणों ने सैंकड़ों मोबाइलों को तोडने. के साथ ही आग के हवाले कर दिया ।पुलिस ने ऑपरेशन एंटी-वायरस के तहत करीब सवा छह सौ मामले दर्ज कर 2 हजार से ज्यादा साइबर अपराधियों को पकड़ा जिनसे नकदी बरामद करने के साथ ही फर्जी सिम कार्ड, चोरी के मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड और 300 से ज्यादा वाहन जब्त किए। पुलिस की रणनीति और कार्यकुशलता का ही परिणाम रहा कि रेंज में साइबर अपराधों में 83 प्रतिशत तक की कमी आई। मेवात में साइबर अपराध पर काफी हद तक अंकुश लगा पाने में पुलिस कामयाब रही हैं

गूगल मैप के सहारे कार चलाना महिला को पड़ा भारी, खाड़ी में गिरी ऑडी कार

नवी मुंबई के बेलापुर में शुक्रवार की सुबह एक अजीब घटना हुई। एक महिला चक्कर में अपनी ऑडी कार लेकर खाई में जा गिरी। यह घटना करीब 1:00 बजे हुई। महिला उल्वे की तरफ जा रही थी। मरीन सुरक्षा टीम ने उसे नाव की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नवी मुंबईः आजकल हम अक्सर किसी नई जगह जाते समय गूगल मैप्स की मदद लेते हैं। गूगल मैप्स सेवा हमारी मनचाही जगह तक पहुंचने के लिए बहुत उपयोगी है। लेकिन यही गूगल मैप अक्सर रास्ता भटका देता है। इससे वाहन चालकों और यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। नवी मुंबई के बेलापुर खाड़ी पुल पर भी ऐसी ही एक घटना घटी है। गनीमत रही कि एक महिला की जान बच गई। यह घटना मरीन सिक्योरिटी पुलिस चौकी के सामने हुई, इसलिए तुरंत मदद पहुंचाई गई।कार खाड़ी में गिरीएक महिला गूगल मैप्स का इस्तेमाल करके अपनी शानदार कार से उरण तालुका के उल्वे की ओर जा रही थी। वह बेलापुर में खाड़ी पुल से होकर जाना चाहती थी। लेकिन उसने पुल के नीचे वाली घाट को चुना। उन्हें गूगल मैप्स पर सीधी सड़क दिखी। इस वजह से महिला की कार सीधे घाट पर जाकर खाड़ी में गिर गई। घाट पर सुरक्षा बैरिकेड न होने के कारण कार बिना किसी बाधा के नीचे गिर गई। जब कार खाड़ी में गिरी, तो मरीन पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों ने उसे देख लिया।सुरक्षा नाव की मदद से महिला की जान बचाई गईमरीन पुलिस स्टेशन के पुलिस कर्मचारियों ने तत्परता दिखाई और घटनास्थल पर पहुंचे। उस समय उन्होंने देखा कि कार सवार महिला चालक नाले में बह रही थी।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बोले- गौ माता ही बचाएगी भारत की सत्य सनातन संस्कृति, शिंदे ने किया शंकराचार्य का पादुका पूजन

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि गौ माता ही भारत की सत्य सनातन संस्कृति की रक्षा करेगी, इसलिए हम सभी को मिलकर गौमाता की रक्षा करनी है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र राज्य ने गौ माता को राजमाता का दर्जा देकर इतिहास रच दिया है। अब पूरे भारत में इतिहास रचना है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

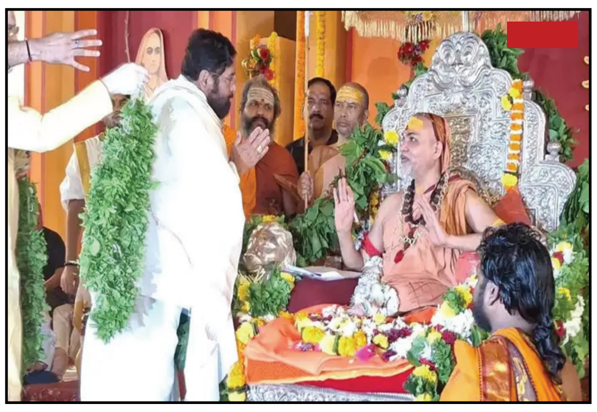

मुंबईः शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि गौ माता ही भारत की सत्य सनातन संस्कृति की रक्षा करेगी, इसलिए हम सभी को मिलकर गौमाता की रक्षा करनी है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र राज्य ने गौ माता को राजमाता का दर्जा देकर इतिहास रच दिया है। अब पूरे भारत में इतिहास रचना है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि देश में गौमाता ही सनातन संस्कृति की रक्षा कर सकती है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए अभियान चला रहे हैं। उनके साथ पूरा महाराष्ट्र खड़ा है। बोरीवली स्थित कोरा केंद्र मैदान पर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का 56वां जन्मदिवस मनाया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाराजश्री का पादुका पूजन किया और उन्हें गाय की प्रतिमा प्रदान की। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध गायक उदित नारायण और अनुराधा पौडवाल ने भजन प्रस्तुति की। कार्यक्रम में विधायक प्रकाश सुर्वे, विधायक संजय उपाध्याय सहित देशभर से आए साधु संत व वशिष्ट हस्तियां उपस्थिति थी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि गौ माता के लिए इस तरह का साहसिक निर्णय लेने की प्रेरणा उन्हें स्वामीजी के ही कारण मिली। अन्याय के खिलाफ हिम्मत करनी होती है और महाराष्ट्र ने यह देखा है। इस अवसर पर एम.एल. सोनी परिवार ने कन्या पूजन किया। जयकांत शुक्ला, अशोक साहू, अभिषेक जाजू आदि तुलादान किया।महाराजश्री के मीडिया प्रभारी योगीराज सरकार और चातुर्मास समिति के मीडिया प्रभारी शैलेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी इन दिनों बोरीवली पश्चिम में कोरा केंद्र मैदान पर चातुर्मास्य महामहोत्सव को सानिध्य प्रदान कर रहे हैं। उनके वर्धंती महोत्सव पर सुबह से ही उत्सव की धूम रही। ईश्वर पर कन्या पूजन जरूरतमंदों को छतरियों का वितरण, गायों को चारा खिलाने के साथ ही अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। महाराष्ट्र के सानिध्य में 108 कुंडों में 33 करोड़ गौ-प्रतिष्ठा महायज्ञ भी निरंतर जारी है।

फास्ट ट्रैक

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भयानक हादसा, बेकाबू कंटेनर ने 15 से 20 वाहनों को रौंदा, 1 की मौत, कई घायल

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक हादसा हुआ है। हाईवे पर खोपोली के पास करीब 15 से 20 गाड़ियों का एक्सीडेंट हुआ है। बताया जा रहा है कि ढलान पर ब्रेक फेल होने से एक कंटेनर ने इन सभी वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक हादसा हुआ है। हाईवे पर खोपोली के पास करीब 15 से 20 गाड़ियों का एक्सीडेंट हुआ है। बताया जा रहा है कि ढलान पर ब्रेक फेल होने से एक कंटेनर ने इन सभी वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। मुंबई की ओर खोपोली पुलिस स्टेशन की सीमा में नवीन टनल से लेकर फूड मॉल होटल तक कई चार पहिया और बड़े वाहन आपस में टकरा गए। बताया जा रहा है कि इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। कई अन्य घायल हो गए हैं और वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

कैसे हुआ हादसा?

रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार दोपहर मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक ट्रेलर का ब्रेक फेल हो गया। इसके कारण ट्रेलर ने 15 से 20 वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। इससे एक भयानक हादसा हुआ। इसमें एक महिला की मौत हो गई है। कंटेनर मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर पुणे से मुंबई जा रहा था। जब वह बोरघाट पहुंचा तो उसका ब्रेक फेल हो गया। इसके कारण कारों, बसों और ट्रकों से टकराने के बाद एक भयानक हादसा हो गया।

कंटेनर चालक पकड़ा

हैरानी की बात यह है कि कंटेनर चालक तेज गति से लापरवाही से सामने से आ रहे वाहन को टक्कर मार रहा था। घटना की सूचना मिलते ही बोरघाट ट्रैफिक पुलिस हाईवे पर पहुंच गई। उन्होंने आनन-फानन में कंटेनर चालक को पकड़ लिया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही खोपोली पुलिस, बोरघाट पुलिस और आईआरबी की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला।

घायलों को अस्पताल पहुंचाया

घायलों को आगे के इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल और कुछ को खोपोली नगर निगम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खोपोली पुलिस घटना की आगे की जांच कर रही है।

द यश मंगलम शो की नई लघु फिल्म में कारगिल के शहीदों को काव्यात्मक श्रद्धांजलि

कारगिल विजय दिवस पर हुआ मुंबई में लोकार्पण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

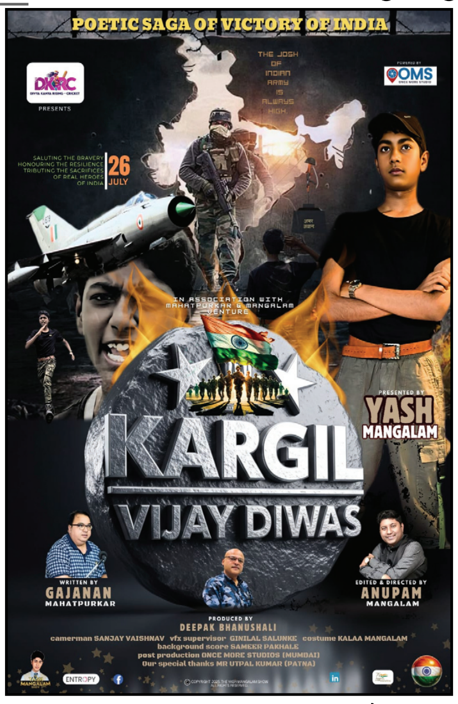

मुंबई। इंटरनेट के लोकप्रिय माध्यम यू-ट्यूब पर पिछले दिनों जारी विभिन्न काव्यात्मक वीडियो को मिली निरंतर सफलता के बाद लोकप्रिय द यश मंगलम शो की नवीनतम कड़ी के रूप में लघु फिल्म कारगिल विजय दिवस- ए पोएटिक सागा का लोकार्पण 26 जुलाई, 2025 को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में किया गया। इस लघु फिल्म में कारगिल युद्ध में अपने अद्भुत शौर्य का प्रदर्शन कर भारत को जीत दिलाने वाले जॉबाज शहीदों को काव्यात्मक श्रद्धांजलि अर्पित की गई है। एक अनूठी सृजनात्मक पहल के अंतर्गत वन्स मोर स्टूडियो, मुंबई द्वारा ए महतपुरकर एंड मंगलम वेंचर के बैनर तले नवसृजित यह अद्भुत लघु फिल्म कारगिल विजय दिवस- ए पोएटिक सागा पूरी दुनिया में बेहद लोकप्रिय हो चुके सोशल मीडिया के सबसे सशक्त प्लेटफॉर्म यू-ट्यूब पर एक सुरुचिपूर्ण चैनल द यश मंगलम शो-2025' के अंतर्गत अपलोड की गई है, जो अपने अनूठे कंटेंट और प्रस्तुतीकरण के विलक्षण अंदाज के लिए काफी लोकप्रिय है और व्यापक तौर पर सराहा जाता रहा है। इससे पहले इस लोकप्रिय शो की धरोहरः ए पोएटिक सागा, शिल्पकार, योगा रिट्रीट और सेहत के रखवाले जैसी प्रभावशाली कड़ियाँ यू-ट्यूब पर काफी अच्छा प्रतिसाद पा चुकी हैं। इस शो के जोशीले प्रस्तुतकर्ता यश मंगलम हैं, जो सिर्फ. 15 वर्ष की आयु में ही सशक्त प्रस्तुतीकरण की अपनी दमदार शैली की बदौलत शो-बिज की दुनिया में अपना अच्छा मुकाम हासिल कर रहे हैं। इस विशेष लघु फिल्म का प्रभावशाली लेखन मुंबई के सुपरिचित गीतकार, मंच संचालक तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गजानन महतपुरकर ने किया है, जिसमें भारत के वीर सपूतों के अदम्य साहस और कारगिल के ऐतिहासिक युद्ध के विभिन्न पहलुओं को बखूबी पिरोया गया है। उल्लेखनीय है कि गजानन महतपुरकर के लिखे 7 काव्यात्मक वीडियो पहले ही यू-ट्यूब पर धूम मचा चुके हैं। इसी क्रम में अब नवीनतम वीडियो कारगिल विजय दिवस- ए पोएटिक सागा के जरिये गजानन महतपुरकर की सशक्त लेखनी और सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक एवं एडिटर अनुपम मंगलम के कुशल निर्देशन का कमाल यू-ट्यूब पर लोकप्रिय हो रहा है।

इस लघु फिल्म के प्रोड्यूसर बॉलीवुड के जाने-माने लाइन प्रोड्यूसर दीपक भानुशाली हैं, जिन्होंने एक था टाइगर, जय हो, किक और रंगरेज जैसी चर्चित फि ल्मों में अपनी भूमिका बखूबी निभाई है। भारत की युवा पीढ़ी का हौसला बढ़ाने के लिए उन्होंने पहली बार सोशल मीडिया के अंतर्गत यू-ट्यूब के लिए इस लघु फिल्म को प्रोड्यूस किया है। दिव्य कन्या राइजिंग क्रिकेट नामक स्पोर्ट्स संस्था यानी ऊङफउ ने इस लघु फिल्म को पेश किया है, जिसका मिशन भारत की युवा प्रतिभाओं खास कर महिला क्रिकेट की हुनरमंद खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देना रहा है। इस सशक्त, प्रभावशाली और संवेदनशील लघु फिल्म को सटीक एडिटिंग एवं कुशल निर्देशन के जरिये पर्दे पर उतारने का बीड़ा उठाया है, मुंबई के विज्ञापन एवं फिल्म जगत के भरोसेमंद निर्देशक अनुपम मंगलम ने, जिनको पिछले 25 सालों में 300 से ज्यादा विज्ञापन फिल्में बनाने का समृद्ध अनुभव प्राप्त है। इस नवसृजित लघु फिल्म का भावपूर्ण संगीत समीर पखाले ने दिया है। वीडियोग्राफी संजय वैष्णव, वी एफ एक्स संयोजन गिनीलाल सालुंके और कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग कला मंगलम द्वारा सुनिश्चित की गई है। पोस्ट प्रोडक्शन वन्स मोर स्टूडियो, मुंबई ने किया है। उल्लेखनीय है कि हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जारी इस विशेष लघु फिल्म को सोशल मीडिया पर काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और इसकी विलक्षण गुणवत्ता को बड़े पैमाने पर सराहा जा रहा है। इस लघु फिल्म की शुरूआती पंक्तियाँ कुछ इस तरह रची गई हैं :-

भारत के वीर सपूतों ने, अदम्य साहस दिखलाया था, जॉबाजों के बुलंद हौसलों से दुश्मन थरार्या था, जो घात लगाये बैठे थे, बफीर्ली चोटियों पर, भारत माँ के बेटों ने उन दुश्मनों को दहलाया था, हिन्दुस्तान की जीत हुई, नापाक बुराइयों पर, टाइगर हिल के शिखर पर फिर से तिरंगा लहराया था..! सदियों तक याद रहेंगी, उन शहीदों की कुर्बानियाँ..! याद रहेंगी सबको हरदम, कारगिल की कहानियाँ..! वंदे मातरम, वंदे मातरम ..!

महायुति सरकार के भ्रष्टाचार, सत्ताधारी नेताओं की गुंडागर्दी से हिंजवडी का आईटी उद्योग चला बेंगलुरु, कांग्रेस का गंभीर आरोप

महाराष्ट्र से उद्योगों के पलायन पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने सत्ताधारी दल के भ्रष्टाचार और पदाधिकारियों की गुंडागर्दी को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के शासन में हिंजवडी में विकसित हुआ आईटी उद्योग बेंगलुरु और हैदराबाद की ओर रुख कर रहा है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र से उद्योगों के पलायन पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने सत्ताधारी दल के भ्रष्टाचार और पदाधिकारियों की गुंडागर्दी को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के शासन में हिंजवडी में विकसित हुआ आईटी उद्योग बेंगलुरु और हैदराबाद की ओर रुख कर रहा है। यह बात खुद उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने स्वीकार किया है, तो सवाल उठता है कि राज्य सरकार और पुणे के पालक मंत्री अजित पवार क्या तब तक सो रहे थे ? शनिवार को सपकाल ने दावा किया कि, न की पुणे, बल्कि नासिक, छत्रपति संभाजीनगर, नागपुर और मुंबई की भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। राज्य में बेरोजगारी चरम पर है, किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है, वे आत्महत्या कर रहे हैं, महंगाई से आम आदमी त्रस्त है, लेकिन सरकार के मंत्री हिंदू-मुस्लिम विवाद भड़का रहे हैं और वे सिर्फ अपनी जेबें भर रहे हैं।पुणे के पालकमंत्री अजित पवार पर तीखा हमला करते हुए प्रदेशाध्यक्ष सपकाल ने कहा कि पुणे महाराष्ट्र का औद्योगिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र रहा है।

महाराष्ट्र के ठाणे में गरजा बुलडोजर, नगर निगम ने ढहाए 117 अवैध निर्माण, मुंब्रा में 40 ढांचे मिट्टी में मिले

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः ठाणे नगर निगम (टीएमसी) ने अवैध निमाणों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पिछले एक महीने में ठाणे नगर निगम ने 151 अवैध निमार्णों में से 117 को ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही 34 अन्य संरचनाओं में किए गए अवैध बदलावों को भी हटाया गया। इस अभियान के तहत सबसे अधिक 40 ढांचे मुंब्रा में ढहाए गए। इसके बाद माजीवडा-मानपाड़ा क्षेत्र में 26 और कालवा क्षेत्र में 17 ढांचे तोड़े गए। यह कार्रवाई हाईकोर्ट के निदेर्शों के अनुसार की गई। इसका मकसद शहर में अवैध निमार्णों को रोकना है।अब तक 117 अवैध निर्माण ध्वस्तठाणे नगर निगम के अनुसार, अतिक्रमण रोधी टीमों ने 19 जून से यह अभियान चलाया है। इस दौरान शील क्षेत्र के एमके कंपाउंड में 21 इमारतों को भी गिराया गया। उपायुक्त (अतिक्रमण विभाग) शंकर पटोले ने बताया कि टीएमसी ने अब तक 117 अनधिकृत निमार्णों को ध्वस्त कर दिया है। 34 अन्य संरचनाओं में किए गए अवैध बदलावों को हटा दिया है।

वन विंडो योजना 15 अगस्त से चालू होगी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

कल्याण - केडीएमसी में वन विंडो योजना शुरू होने जा रही है। यह महाराष्ट्र में पहला प्रयोग होगा। इसकी शुरूआत 15 अगस्त से होगी। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी। केडीएमसी ने भवन निर्माण परमिट के लिए एकल खिड़की प्रणाली योजना की घोषणा की है। सभी एनओसी एक ही आवेदन के माध्यम से ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। यह प्रणाली महाराष्ट्र में पहली बार केडीएमसी में शुरू की जाएगी। केडीएमसी, भवन निर्माण अनुमति, एक खिड़की प्रणाली प्रयोग होगा। इस पहल से आवेदन प्रक्रिया सरल हो जाएगी क्योंकि विभिन्न विभाग ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकेंगे। बार-बार चक्कर लगाने की जरूरत कम हो जाएगी, जिससे समय की काफी बचत होगी। अधिकारी दस दिनों के भीतर परमिट जारी कर देंगे और आवेदकों को एसएमएस के जरिए अपडेट मिलेंगे। महाराष्ट्र में यह पहला प्रयोग केडीएमसी में किया जा रहा है। कल्याण डोंबिवली नगर निगम ने त्वरित और पारदर्शी लेन-देन की दिशा में एक कदम बढ़ाया है। सबसे ज्यादा कारोबार करने वाले नगर नियोजन विभाग के सभी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) अब ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। नगर नियोजन विभाग से संबंधित सभी अनुमतियाँ आवेदन के 10 दिनों के भीतर एक ही ऑनलाइन आवेदन (वन विंडो) के जरिए ऑनलाइन उपलब्ध होंगी। यह पहल 15 अगस्त से शुरू की जाएगी। सरकारी कामकाज, छह महीने के इंतजार के दिक्कतों को दूर करने और नागरिकों को समय पर आवश्यक जानकारी और परमिट उपलब्ध कराने के लिए होगा। स्मार्ट सिटी के माध्यम से नगर निगम के कम्प्यूटर विभाग को अपडेट करने के बाद, शहरी नियोजन विभाग ने सरकार के बीपीएमएस ऐप को अपडेट करके और नए सॉफ्टवेयर से जोड़कर यह व्यवस्था बनाई है। यदि किसी विभाग द्वारा दस दिनों के भीतर संबंधित एनओसी नहीं दी जाती है, तो उस विभाग के अधिकारियों को देरी का कारण बताना होगा। यह ऐप मनपा आयुक्त सहित सभी वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में होगा, ताकि काम में तेजी और पारदर्शिता आए और यह व्यवस्था 15 अगस्त से लागू हो जाएगी, केडीएमसी के अतिरिक्त टाउन प्लानर संतोष डोईफोडे ने कहा कि केडीएमसी महाराष्ट्र में ऐसी एकल खिड़की प्रणाली लागू करने वाला पहला महानगर पालिका होगा।

पश्चिम रेलवे

टीआरडी सिस्टम का विश्वसनीयता सुधार

वरि. मंडल विद्युत अभियंता (उप.), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008 द्वारा **ई-निविदा सूचना क्र. : डब्ल्यूआर-एमएमसीटीओईएसयूबी(ईएसओटी)/5/2025 (आरटी-3)** आमंत्रित की जाती है. **कार्य का नाम** : चर्चगेट – विरार अनुभाग में ओएचई के क्षतिग्रस्त कॉपर क्रॉस फीडर्स के प्रतिस्थापन के जरिए टीआरडी सिस्टम का विश्वसनीयता सुधार. **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 59,26,841/-, बोली सुरक्षाः रु. 1,18,500/-, **जमा करने की तिथि एवं समय** : 22.08.2025 को अधिकतम 15.00 बजे तक निर्धारित स्वरूप में. **खुलने की तिथि एवं समय** : 22.08.2025 को 15.30 बजे. **वेबसाइट विवरण** : निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखी और जमा की जा सकती है. 0437

Like us on : facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

अग्रभाग पर प्रकाशीय व्यवस्था का कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए प्रतिष्ठित ठेकेदारों से खुली ई-निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का विवरण** : लोकमान्य तिलक टर्मिनस, दादर, भायखला स्टेशन एवं अस्पताल, ठाणे स्टेशन भवन, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय भवन तथा मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के नए प्रवेश द्वार के अग्रभाग पर, एक वर्ष की अवधि के दौरान स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रकाशीय व्यवस्था का कार्य करने हेतु। **निविदा सूचना क्र. 15/2025 (BB.LG.W.CSMT.2025.04) कार्य की औसत लागत** : ₹10,40,623/-. **बोली प्रतिभूति** : ₹20,800/-. **वैधता** : 60 दिन। **समापन अवधि** : 12 माह (समापन)। **अनुदेश** : **(1)** उपर्युक्त निविदा की बंद होने की तिथि एवं समय 12/08/2025 को 11.00 बजे और उसी दिन 11.00 बजे बाद खोली जाएगी। **(2)** निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि निविदा के विस्तृत विवरण एवं शुद्धीपत्र, यदि कोई हो तो, की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें। **(3)** निविदाकर्ता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से केवल ऑनलाइन निविदा में भाग ले सकते हैं एवं मेनुअल रूप से निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। **(4)** आगे की अधिक जानकारी के लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य) मध्य रेल, एनेक्स बिल्डिंग, पहली मंजिल, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस 400001 से संपर्क कर सकते हैं । **(5)** यह निविदा, सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 दिनांक 15/06/2017 का अनुपालन करती है।

खुली ई-निविदा सूचना क्र. 15/2025 दिनांक 22/07/2025 Sai/294

रेलवे फाटक को बंद स्थिति में पार करना मना है

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्री की आपूर्ति

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना क्र. एस/47/2025, दिनांक : 23.07.2025

अ. क्र.	आइटम का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
397	ट्रैक्शन पॉवर ट्रांसफॉर्मर 21.6/30.24 एमवीए	1 नग	18-अगस्त-25
398	कैटनरी वायर 241.935 वर्गमिमी	12 किमी.	18-अगस्त-25
399	इंटर्नल कम्बस्शन इंजन क्रैंक केस ऑइल ग्रेड एसएई 15 डब्ल्यू 40	129096 लीटर	25-अगस्त-25
400	गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल	3578 नग	08-सितंबर-25
401	सस्पेंशन स्प्रिंग का सेट	13 सेट	15-सितंबर-25
402	थ्रेड एम 16, नॉमिनल लंबाई 50 एमएम तथा प्रॉपर्टी क्लास 4.8 के साथ एम. एस. ब्लैक हेक्सागोन हेड बोल्ट	86818 किग्रा	22-सितंबर – 25

विस्तृत सूचना ईएमडी, क्रय प्रतिबंधों और विस्तृत निविदा शर्तों के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिये कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** तथा **wr.indianrialways.gov.in** का अवलोकन करें. 0427

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008

कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के जरिए विज्ञापन का प्रदर्शन

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVTMB25-3	07.08.25, 14.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	**MMS-MobGen-133732-1-25-1** (Misc-Mobile-Services-Mobile General)	03 वर्षों की अवधि हेतु 12009/10-एमएमसीटी-एडीआई शताब्दी एक्सप्रेस में ट्रैकिंग और पार्सल बुकिंग हेतु एप-आधारित लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए गार्ड कम्पार्टमेंट नामित बॉक्स/केज स्थान के उपयोग हेतु अनुबंध	1096	07-08-25 14:30:00
2	**MMS-MobGen-176202-1-25-1** (Misc-Mobile-Services-Mobile General)	03 वर्षों की अवधिहेतु 22953/54-गुजरात एक्सप्रेस में ट्रैकिंग तथा पार्सल बुकिंग हेतु एप-आधारित लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए गार्ड कम्पार्टमेंट नामित बॉक्स/केज स्थान के उपयोग हेतु अनुबंध.	1096	07-08-25 14:40:00

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-25-24	07.08.25, 15.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान/एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	**ADVT-BCT-BSR-OH-421-25-1** (Advertising-Out of Home)	05 वर्षों की अवधि हेतु वसई रोड स्टेशन प्रवेश/निकासी द्वार पश्चिमी तरफ पीएफ नं. 2ए, मध्य मेन बुकिंग कार्यालय के पास में 60 वर्गफीट के 10' (ऊंचाई) x6' (चौड़ाई) आकार के डिसप्ले एरिया के 01 एलईडी यूनिपोल के अधिष्ठापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक अधिकार.	1826	07-08-25 15:30:00

टिप्पणी : संभावी बोलीकर्ताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें. लॉट अनुसार विवरण निर्दिष्ट पुस्तिका अंतर्गत उपलब्ध है. 0431

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008

कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के जरिए विज्ञापन का प्रदर्शन

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-PnU-25-7	06.08.25, 13.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	**PnU-BCT-MMCTWRL-27-22-1** (Pay and Use-Lounges/Waiting/Retiring/Cloak Rooms)	05 (पांच) वर्षों की अवधि हेतु मुंबई मंडल के मुंबई सेंट्रल (एमएमसीटी) स्टेशन पर क्लोक रूम सर्विसेस का नवीनीकरण, प्रबंधन, अनुरक्षण, संचालन और मैनिंग.	1826	06-08-25 13:30:00

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVTM-25-22	06.08.25, 14.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	**MSS-BCT-MRU-MedStn-45-24-1** (Misc-Static-Services facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु माटुंगा रोड रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के जरिए चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	06-08-25 14:30:00
2	**Medical MSS-BCT-NSP-MedStn-46-24-1** (Misc-Static-Services facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु नालासोपारा रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के जरिए चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	06-08-25 14:40:00
3	**Medical MSS-BCT-DDR-STGen-57-25-1** (Misc-Static-Services Static General)	दादर स्टेशन पर डिजिटल लाउंज/को-वर्किंग स्थान के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु ई-नीलामी.	1826	06-08-25 14:50:00
4	**MSS-BCT-ADH-STGen-58-25-1** (Misc-Static-Services Static General)	अंधेरी (एडीएच) स्टेशन पर आधुनिक सुविधाओं के साथ डिजिटल लाउंज/को-वर्किंग स्थान के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु ई-नीलामी.	1826	06-08-25 15:00:00
5	**MSS-BCT-BVI-STGen-59-25-1** (Misc-Static-Services Static General)	बोरीवली स्टेशन पर आधुनिक सुविधाओं के साथ डिजिटल लाउंज/को-वर्किंग स्थान के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु ई-नीलामी.	1826	06-08-25 15:10:00

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-25-23	06.08.25, 15.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	**ADVT-BCT-BA-OH-412-25-2** (Advertising-Out of Home)	बाउंड्री दीवार के बांद्रा पश्चिम रेलवे कॉलोनी पश्चिमी तरफ में 480 वर्गफीट के डिसप्ले एरिया के साथ 10 फीट ऊंचाईx 6 फीट चौड़ाई के आयाम के 05 नये एलसीडी/एलईडी यूनिपोल स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	06-08-25 15:30:00
2	**ADVT-BCT-PL-OH-409-25-2** (Advertising - Out of Home)	लोअर परेल में 180 वर्गफीट के डिसप्ले एरिया के साथ 10 फीट ऊंचाई x 6 फीट चौड़ाई के आयाम के 03 नये एलसीडी/एलईडी यूनिपोल स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	06-08-25 15:40:00
3	**ADVT-BCT-STC-OSN-300-25-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	डिसप्ले बोर्ड्स के जरिए तीन वर्षों की अवधि हेतु एस्केलेटर्स और सीढियों की लैंडिंग्स के पिलर्स पर सांताक्रूज (एसटीसी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06-08-25 15:50:00
4	**ADVT-BCT-MRU-OSN-358-24-1** (Advertising-On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु माटुंगा रोड (एमआरयू) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06-08-25 16:00:00
5	**ADVT-BCT-DDR-OSN-339-25-1** (Advertising-On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु दादर (डीडीआर) स्टेशन प्लेटफॉर्म्स पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1096	06-08-25 16:10:00

टिप्पणी : संभावी बोलीकर्ताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें. लॉट अनुसार विवरण निर्दिष्ट पुस्तिका अंतर्गत उपलब्ध है. 0423

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

कृषि मंत्री ने की विकास कार्यों की समीक्षा

बिजली आपूर्ति, नहरों की मरम्मत और उर्वरक उपलब्धता पर दिए कार्रवाई के निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

देवरिया, प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में सबसे पहले विद्युत व्यवस्था की समीक्षा की गई। इसमें गोरखपुर के चीफ इंजीनियर, अधीक्षण अभियंता और देवरिया सदर, बरहज, सलेमपुर तथा गौरीबाजार के अधिशासी अभियंता उपस्थित थे। मंत्री ने जले हुए ट्रांसफार्मरों की तत्काल मरम्मत करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने और जर्जर तारों को तुरंत बदलने का आदेश भी दिया। सूखे की स्थिति को देखते हुए निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने और बिजनेस प्लान के तहत लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। नहरों की स्थिति पर चर्चा के दौरान सिंचाई विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने कम वर्षा को देखते हुए नहरों को पूरी क्षमता से चलाने पर जोर दिया। मंत्री ने क्षतिग्रस्त नहरों की मरम्मत युद्ध स्तर पर कराने के निर्देश दिए। इससे किसानों को सिंचाई में कोई परेशानी न हो। उर्वरक आपूर्ति की समीक्षा में पाया गया कि जिले में यूरिया और डीएपी खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। मंत्री ने अधिकारियों को उर्वरक की उपलब्धता पर नियमित निगरानी रखने और किसी भी क्षेत्र में खाद की कमी न होने देने का निर्देश दिया। बैठक में सभी विभागों को समन्वय स्थापित कर किसानों और आमजन को राहत पहुंचाने का आदेश दिया गया।

ठाणे जिला हाउसिंग फेडरेशन की दाद-फिरयाद पहल को जबरदस्त समर्थन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर ठाणे जिला हाउसिंग फेडरेशन द्वारा ठाणे में पहली बार आयोजित ₹दाद-फिरयाद₹ जनसंवाद पहल को आवास समितियों से जबरदस्त समर्थन मिला है। ठाणे पश्चिम स्थित पहलाज कुंज सोसाइटी , लोहार अली स्थित बोरवणकर हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन कोंकण संभागीय संयुक्त रजिस्ट्रार मिलिंद भालेराव, जिला उप रजिस्ट्रार डॉ. किशोर मांडे, ठाणे उप रजिस्ट्रार अविनाश भागवत की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर ठाणे जिला हाउसिंग फेडरेशन के अध्यक्ष सीताराम राणे, नवी मुंबई हाउसिंग फेडरेशन के अध्यक्ष भास्कर म्हात्रे, ठाणे जिला हाउसिंग के निदेशक मंडल के सदस्य, कर्मचारी, पदाधिकारी और सहकारी आवास समितियों के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।ठाणे जिले में सहकारी आवास समितियों के सदस्यों के प्रश्नों, समस्याओं, शंकाओं और शंकाओं के समाधान या समाधान के साथ-साथ समिति के साथ होने वाले विवादों और मतभेदों के समाधान के लिए, ठाणे जिला हाउसिंग फेडरेशन ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर प्रत्येक माह के चौथे शनिवार को एक अभिनव पहल ₹दाद-फिरयाद₹ शुरू की है। जुलाई माह में ₹दाद-फिरयाद₹ पहल को शनिवार को भारी प्रतिक्रिया मिली। इस अवसर पर सैकड़ों निवासी उपस्थित थे। संयुक्त रजिस्ट्रार भालेराव ने फेडरेशन के अध्यक्ष सीताराम राणे, उप रजिस्ट्रार डॉ. मांडे और भागवत ने शिकायतकताओं के प्रश्नों के कानूनी उत्तर प्रदान किए और शिकायतकताओं को सहकारी अधिनियम और उपनियमों के बारे में जानकारी दी, जिससे अधिकांश समस्याओं का समाधान हो गया। इस बीच, ₹दाद-फिरयाद₹ पहल के उद्घाटन पर बोलते हुए, संभागीय संयुक्त रजिस्ट्रार भालेराव ने कहा कि यदि हाउसिंग सोसाइटियाँ ₹दाद-फिरयाद₹ जैसे मंच पर सदस्यों की शिकायतों को उठाने से पहले सोसायटी के भीतर अपने-अपने स्तर पर इस तरह की जनसंवाद गतिविधियों को लागू करें, तो इससे आधी से ज्यादा समस्याओं, शंकाओं और आशंकाओं का मौके पर ही समाधान करने में मदद मिल सकती है। यह सुझाव देते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी समितियों के त्रि-स्तरीय ढाँचे की तर्ज.पर शहरीकरण में सहकारी हाउसिंग सोसाइटियाँ आवश्यक हैं। वहीं, डॉ. मांडे ने कहा कि ₹दाद-फिरयाद₹ जैसी पहल के माध्यम से परामर्श के माध्यम से मुद्दों को हल करने का उद्देश्य विशेष रूप से ऐसे जनसंवाद के माध्यम से विवादों को सुलझाने को प्राथमिकता देना है।

फास्ट ट्रैक

पुवायां तहसील में अधिवक्ताओं का धरना दूसरे दिन भी जारी

तहसीलदार पर भ्रष्टाचार के आरोप, बार काउंसिल की पूर्व वाइस चेयरमैन ने दिया समर्थन

शाहजहांपुर, पुवायां तहसील में तहसीलदार राघवेश मणि त्रिपाठी और अधिवक्ताओं के बीच विवाद गहरा गया है। शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी अधिवक्ता तहसील परिसर में धरने पर बैठे रहे। वकीलों ने तहसीलदार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। अधिवक्ताओं का आरोप है कि तहसीलदार फाइलें केवल पैसे मिलने पर ही पास करते हैं। अगर किसी फाइल में पैसा नहीं मिलता, तो उस पर जानबूझकर आपत्ति लगा दी जाती है। इस व्यवहार से अधिवक्ताओं में भारी नाराजगी है। धरने को समर्थन देने के लिए उत्तर प्रदेश बार काउंसिल की पूर्व वाइस चेयरमैन मधुलिका यादव लखनऊ से पुवायां तहसील पहुंचीं। उन्होंने कहा कि तहसील कार्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों का व्यवहार अधिवक्ताओं के प्रति अनुचित है। मधुलिका यादव ने जिलाधिकारी से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने अधिवक्ताओं की मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो प्रदेश स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। फिलहाल, तहसील परिसर में स्थिति तनावपूर्ण है लेकिन शांति बनी हुई है। अधिवक्ताओं ने स्पष्ट किया है कि जब तक तहसीलदार के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, वे अपना धरना जारी रखेंगे।

बिना मान्यता के चल रहा प्राइवेट स्कूल

एसडीएम ने जांच में पाई अनियमितताएं, स्कूल को किया सील

शाहजहांपुर, अल्लाहगंज में मोहल्ला दखिनीजा स्थित एक निजी विद्यालय को प्रशासन ने सील कर दिया है। स्कूल बिना किसी परिषदीय मान्यता और आवश्यक दस्तावेजों के संचालित हो रहा था। एसडीएम जलालाबाद प्रभात राय मे उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारी शाहीन अंसारी और थानाध्यक्ष ओमप्रकाश की टीम ने स्कूल का निरीक्षण किया। प्रशासनिक टीम के पहुंचते ही विद्यालय में अफरा-तफरी मच गई। जांच के दौरान जब विद्यालय प्रबंधन से मान्यता, एनओसी और अन्य वैधानिक दस्तावेज मांगे गए, तो वह कोई भी संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। निरीक्षण में बच्चे भीषण गर्मी में पसीने से लथपथ अवस्था में बैठे मिले, जिससे स्कूल की अव्यवस्थाओं का भी पता चला। एसडीएम प्रभात राय ने स्थिति को गंभीर मानते हुए विद्यालय के एक कक्ष को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। शेष कक्षों में दरवाजे न होने के कारण उन्हें सील नहीं किया जा सका। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना मान्यता संचालित स्कूलों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। खंड शिक्षा अधिकारी ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को केवल मान्यता प्राप्त विद्यालयों में ही प्रवेश दिलाएं जो बच्चों की शिक्षा एवं सुरक्षा की समुचित व्यवस्था करते हों।

गंगासागर पुत्र असोसिएशन ने पूर्व सांसद फुलन देवी का २४ वा शहादत दिवस मनाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , निषाद, मल्लाह , केवट, साहनी जैसी समाज की उपजातियों के सामाजिक संस्था गंगासागर पुत्र एसोसिएशन की ओर से पूर्व सांसद स्वर्गीय फूलन देवी का शहादत दिवस मनाया गया। इस अवसर अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ उनके साहस को याद किया गया। उनके जीवनीं के बारे में बताया उनके साथ जो अत्याचार हुआ हर मोड़ पर उन्हें कठिनाई का सामना करना पाड़ा लेकिन उन्होंने हार नहीं माना और अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष रामप्रकाश निषाद ने कहा कि फूलन देवी को जब कही से न्याय नहीं मिला और सब जगह अपमानित होना पड़ा, तब वह तो वह चंबल में जाकर डाकू बनीं। कुछ दिनों बाद अपने साथियों के साथ बेहमई गांव में जाकर अपने साथ अत्याचार करने वाले एक एक कर 22 लोग कों मौत के घाट उतार दिया। उन्होंने यह साबित कर दिया नारी अबला नहीं होती , जब अत्याचार बढ़ जाता जब नारी सबला बनकर अन्याय के खिलाफ लड़ सकती है। स्वर्गीय फूलन देवी ने1983 में आत्मस्पर्ण किया जब मध्य प्रदेश में अर्जुन सिंह की सरकार थी। 1994 उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव की सरकार आने पर उन्होंने रिहा करा दिया। अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने और एक पिछड़े गरीब परिवार की महिला फूलन देवी को अपनी पार्टी का टिकट दिया। वह मिजार्पुर सें 1996 में चुनाव जीतकर सांसद बनी। लेकिन सामंतवादियों को उनका सांसद बने रहना नागवार गुजरा और 25 जुलाई 2001 कों अशोक रोड दिल्ली में उनके आवास पर ही गोलियों मार दिया गया ।समाज की आयरन लेडी फूलन देवी के शहादत दिवस पर कोषाध्यक्ष राम आधार साहनी , उपाध्यक्ष दीपचंद मल्लाह, महासचिव राम सागर निषाद, संचालक सचिन साहनी, द्वारका साहनी, प्रहलाद मल्लाह, चंद्रभूषण मल्लाह, खजानची मल्लाह, दयाराम निषाद, रामनयन साहनी, दिनेश कुमार सहनी, निषाद पार्टी के सलाहकार डॉ.रहीम खान एडवकेट देवीलाल बिंद, पन्नेलाल साहनी, गंगासागर पुत्र असोसिएशन के प्रवक्ता मुकेश पारस नाविक, रामराज बिंद,कपूर निषाद, मुन्ना खान, श्याम सुंदर साहनी, ऋषिकेष साहनी, नन्हे हाश्मी आदि लोगों ने उपस्थित रहकर फूलन देवी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण पर श्रद्धांजलि दी।

सांसद नरेश म्हस्के प्रतिष्ठित 'संसद रत्न' पुरस्कार से सम्मानित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , देश की राष्ट्रीय नीतियों, महाराष्ट्र राज्य के हित के मुद्दों और ठाणे लोकसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को संसद में प्रस्तुत करने वाले सांसद नरेश म्हस्के को आज नई दिल्ली में एक विशेष समारोह में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री और केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने इस वर्ष का प्रतिष्ठित 'संसद रत्न' पुरस्कार प्रदान किया। सांसद के रूप में अपने पहले कार्यकाल में 'संसद रत्न' पुरस्कार प्राप्त करने पर नरेश म्हस्के को हर तरफ से बधाई दी जा रही है। पुरस्कार वितरण समारोह में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर, प्राइम पॉइंट फाउंडेशन और ई-पत्रिका प्रेजेंस ने भाग लिया। सांसद नरेश म्हस्के और महाराष्ट्र के 7 सांसदों को 'संसद रत्न' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। शिवसेना प्रमुख और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के प्रबल समर्थन, शिवसेना समूह नेता सांसद डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन और प्राथमिकता के कारण ही मुझे आज यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है। नरेश म्हस्के ने संसद रत्न पुरस्कार ग्रहण करने के बाद कहा, ₹इन दोनों नेताओं के साथ-साथ, मैं वोटर राजा को भी धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने मुझे भारी बहुमत से संसद में भेजा। महायुति के पदाधिकारियों, कार्यकताओं, महिला अघाड़ी, युवा कार्यकताओं और मेरे शिवसैनिकों को भी धन्यवाद देता हूं। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की सलाह पर, प्राइम पॉइंट फाउंडेशन और ई-पत्रिका प्रेजेंस ने 2010 में 'संसद रत्न' पुरस्कार की स्थापना की। मई 2010 में चेन्नई में आयोजित पहले पुरस्कार समारोह का उद्घाटन डॉ. कलाम ने किया था। ये पुरस्कार नागरिक समाज की ओर से प्रदान किए जाते हैं। नरेश म्हस्के का राजनीतिक सफर भारतीय विद्यार्थी सेना से शुरू हुआ। पार्षद, सभागृह नेता, ठाणे के महापौर से लेकर ठाणे लोकसभा क्षेत्र के सांसद तक का उनका राजनीतिक सफर सराहनीय है। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों की समिति की स्थायी समिति के सदस्य; वक्फ संशोधन विधेयक 2024 की जाँच हेतु नियुक्त संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्य; रेलवे, यात्री जल परिवहन, शहरी विकास एवं आवास समिति के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। सांसद चुने जाने के बाद, नरेश म्हस्के को लोकसभा में उनके ओजस्वी भाषणों, संसद में उनकी उपस्थिति और विभिन्न केंद्रीय समितियों में उनके कार्यों के कारण इस वर्ष का ₹संसद रत्न₹ पुरस्कार मिला है।

फ्लिपकार्ट डिलीवरी ब्वॉय ने चुराई बाइक

- गिरफ्तारी के बाद बोला– कम पैसे मिलते हैं, खर्चा नहीं चल पाता; लालच में चुरा ली

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, फ्लिपकार्ट के डिलीवरी ब्वॉय ने पार्किंग से बाइक चोरी कर ली। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद आरोपी मोहम्मद आलम को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि कम मजदूरी से घर का खर्च नहीं चल पाता था। रोजा थाना क्षेत्र के हथौड़ा बुजुर्ग गांव के रहने वाले अग्निवेश सदर बाजार स्थित सिटीकार्ट में खरीदारी करने आए थे। उन्होंने अपनी बाइक पार्किंग में खड़ी की थी। खरीदारी के बाद लौटने पर बाइक गायब मिली। इसके बाद उन्होंने सदर बाजार थाने में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और पार्किंग में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली। फुटेज में आरोपी बाइक चुराते हुए नजर आया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ओसीएफ मंदिर के पीछे से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से चोरी की बाइक भी बरामद कर ली गई। आरोपी मोहम्मद आलम जलालनगर मोहल्ले का रहने वाला है। पूछताछ में उसने बताया कि वह फ्लिपकार्ट में डिलीवरी ब्वॉय का काम करता है। कम मजदूरी से घर का खर्च नहीं चल पाता था, इसलिए लालच में आकर उसने बाइक चुरा ली। पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेज दिया है।

जिस जगह पर की मारपीट, वहीं डॉक्टर ने मांगी माफी

समर्थन में भाजपा नेता पहुंचे, सड़क जाम, सार्वजनिक रूप से बोला- सॉरी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, राजकीय मेडिकल कॉलेज में एक डॉक्टर और मरीज के परिजन के बीच बाइक टच होने को लेकर विवाद हो गया।

अजीजगंज के रहने वाले प्रभात गुप्ता अपनी मां विनीता की जांच रिपोर्ट लेने मेडिकल कॉलेज गए थे। वहां उनकी बाइक जूनियर डॉक्टर हर्षवर्धन से टच हो गई,

जो उस समय फोन पर बात कर रहे थे। प्रभात ने जब इस बारे में कहा तो डॉक्टर ने उन्हें बाहर आने पर देख लेने की धमकी दी। जब प्रभात जांच रिपोर्ट लेकर बाहर आए, तो डॉक्टर ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनके साथ मारपीट की।

इस दौरान प्रभात की सोने की चैन भी टूटकर गिर गई। गुस्साए प्रभात ने अपने साथियों को बुलाकर मेडिकल कॉलेज के सामने सड़क पर जाम लगा दिया। उनके समर्थन में भाजपा नेता राजकमल वाजपेयी भी मौके पर पहुंच गए।

भाजपा नेता ने कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। इसके बाद करीब आधे घंटे तक प्राचार्य राजेश कुमार के दफ्तर में वार्ता हुई। वार्ता में यह तय हुआ कि डॉक्टर को उसी जगह पर माफी मांगनी होगी, जहां उन्होंने मारपीट की थी। प्राचार्य डॉक्टर राजेश कुमार, सीएमएस डॉक्टर नेपाल सिंह, चौक कोतवाली इंस्पेक्टर अश्वनी कुमार और भाजपा नेताओं की मौजूदगी में डॉक्टर ने पीड़ित प्रभात से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। इसके बाद सभी ने डॉक्टर और पीड़ित को हाथ मिलवाया।

यह समझौता पूरे परिसर में चर्चा का विषय बना रहा। प्राचार्य डाक्टर राजेश कुमार ने बताया कि डाक्टर और एक युवक के बीच विवाद हुआ था। दोनो के बीच समझौता हो गया है।

ऊर्जा मंत्री के बयान पर भड़का व्यापारी संगठन

मिर्जापुर में वैश्य महासम्मेलन ने फूंका पुतला, मंत्री से माफी की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा के बयान के विरोध में प्रदर्शन किया। नगर के डंकीनगंज के चिनिहवाँ इनारा पर नगर अध्यक्ष नयन जायसवाल के नेतृत्व में वैश्य और व्यापारी समाज के लोग एकत्रित हुए। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए विद्युत मंत्री के बयान की निंदा की और उनका पुतला दहन किया। प्रदेश महामंत्री शैलेन्द्र अग्रहरि ने कहा कि ऊर्जा मंत्री का बनिया वर्ग के लिए दिया गया बयान बेहद आपत्तिजनक है। उन्होंने इसकी घोर निंदा की। अग्रहरि ने आगे कहा कि मंत्री के अमर्यादित बयान से उनकी इस वृहद समाज के प्रति मानसिकता का पता चलता है। उनके अनुसार, इस बयान ने देश को समृद्धिशाली बनाने वाले व्यापारी व वैश्य समाज के समर्पण की खिल्ली उड़ाई है। साथ ही सरकार पर उनके भरोसे को तोड़ने का काम किया है। प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष गोयल ने कहा कि ऊर्जा मंत्री को किसी समाज के बारे में बोलने से पहले सोचना चाहिए। उन्होंने बताया कि बनिया-वैश्य समाज हमेशा से देश सेवा, राष्ट्रभक्ति और दानशीलता के लिए विख्यात रहा है। उनके अनुसार, प्रदेश सरकार के मंत्री का यह अमर्यादित बयान अशोभनीय और विभाजक है। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मांग की है कि वे इस टिप्पणी का संज्ञान लेकर कार्यवाही करें।

तमंचा दिखाकर ठेके से ली शराब

अधिवक्ता से विवाद के बाद आरोपी ठेके पर पहुंचे, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक अधिवक्ता के साथ ढाबे पर हुए विवाद के बाद दबंग उसे ढूंढते हुए फिर से ढाबे पहुंचे। अधिवक्ता के नहीं मिलने पर आरोपियों ने पास के एक शराब ठेके पर जाकर शराब खरीदी और पी। इस दौरान एक आरोपी ने तमंचा निकालकर ठेके पर काम करने वालों को दिखाया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। शराब पीने के बाद आरोपी वहां से चले गए। थाना सदर बाजार के आवास विकास के रहने वाले अधिवक्ता आदित्य गंगवार ने थाने में प्रार्थना पत्र दिया है। उन्होंने बताया कि 24 जुलाई को वह एक ढाबे पर गए थे। वहां मामूली बात पर कुछ लोगों से विवाद हो गया था। कहासुनी के बाद गाली-गलौज भी हुई थी। कुछ देर बाद वह वहां से चले गए तो आरोपी उन्हें ढूंढने के लिए फिर से ढाबे पर आए। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और फायर भी किया। पीड़ित के अनुसार, आरोपी पांच लोग थे जिनके पास तमंचे थे। ढाबे पर अधिवक्ता के नहीं मिलने पर आरोपियों ने पास के एक ठेके पर शराब पी। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि एक व्यक्ति ने शराब खरीदते समय तमंचा निकाला और काउंटर तक हाथ लाकर ठेके पर काम करने वाले लोगों को दिखाया। पीड़ित अधिवक्ता ने अपनी जान का खतरा जताते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

चाउमीन-मोमोज बेचने वाले भाइयों पर दबंगों का कहर

- रंगदारी नही देने पर दबंगों ने लाठी-डंडों से पीटा, बरेली में चल रहा इलाज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, चाउमीन और मोमोज बेचने वाले दो भाइयों पर दबंगों द्वारा किए गए हमले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हुए हैं। कटरा थाना क्षेत्र के ताहवरगंज निवासी अभिषेक उर्फ छोटू ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उसके अनुसार उसके भाई आलोक और विवेक घास मंडी पुलिया के पास चाउमीन और मोमोज की दुकान चलाते हैं। शिकायत के मुताबिक, रिशु गुप्ता, नितिन गुप्ता, यश गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, पूर्व कोटेदार आकाश, मकोका गैंग के अरसलान पठान, समीर और रजत अपने 35-40 साथियों के साथ दुकान पर पहुंचे। रिशु गुप्ता ने रंगदारी मांगी, जिसे भाइयों ने देने से मना कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने तलवार से हमला कर दिया, जिससे एक भाई के सिर में गंभीर चोटें आईं। नितिन ने गुल्लक से 3500 रुपये भी निकाल लिए। आरोपियों ने दुकान में तोड़फोड़ की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घटना के दो वीडियो सामने आए हैं। एक में दबंग लाठी-डंडे लेकर जाते दिख रहे हैं, दूसरे में मारपीट करते हुए नजर आ रहे हैं। घायलों को बरेली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीओ तिलहर ज्योति यादव ने बताया कि शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,

2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ

3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)

4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी

5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा

6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण (भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष में मौत का आंकड़ा 33 हुआ

कंबोडिया बोला- पड़ोसी देश जानबूझकर जंग बढ़ा रहा, यूएन से संघर्ष रुकवाने की मांग

एजेंसी

बैंकॉक, थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक हजार साल पुराने दो शिव मंदिरों को लेकर शुरू हुआ संघर्ष तीसरे दिन भी जारी है। इस संघर्ष में अब तक 33 लोगों की मौत हो गई है। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक लड़ाई में उसके 13 लोगों की मौत हुई है। इनमें 8 नागरिक और 5 सैनिक शामिल हैं। इसके अलावा 71 लोग घायल हुए हैं। वहीं, थाईलैंड के भी 20 लोग मारे गए हैं। इनमें 14 नागरिक और 6 सैनिक शामिल है। कंबोडिया ने थाईलैंड पर जानबूझकर हमला करने का आरोप लगाया है और कहा है कि थाई सेना उनकी संप्रभुता का उल्लंघन कर रही है। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने शनिवार को दावा किया कि मलेशिया की मध्यस्थता में 24 जुलाई की रात दोनों ही देश सीजफायर पर समहत हुए थे, लेकिन समझौते पर पहुंचने के 1 घंटे से भी कम वक्त में थाईलैंड ने अपना रुख बदल दिया और समझौते से हट गया। यूएन सुरक्षा परिषद की इमरजेंसी बैठक में कंबोडिया ने जंग को रुकवाने

की मांग की है। इस मीटिंग में थाईलैंड ने कंबोडिया पर सीमावर्ती इलाके में बारूदी सुरंगें बिछने का आरोप लगाया। थाई राजदूत ने कहा कि कंबोडिया ने ही हमले शुरू किए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में बंद कमरे में एक आपात बैठक की। इसमें सभी 15 देशों ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और कूटनीतिक समाधान निकालने की अपील की। विवाद को देखते हुए थाईलैंड स्थित भारतीय दूतावास ने एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इसमें भारतीय नागरिकों से थाईलैंड और कंबोडिया सीमा के पास 7 राज्यों में जाने से बचने की अपील की गई है। इनमें उबोन रत्चथानी, सुरिन, सिसाकेत, बुरीराम, सा काओ, चंथाबुरी और ट्राट शामिल हैं। इसके अलावा इमरजेंसी की स्थिति में दूतावास से संपर्क करने के लिए कहा गया है। कंबोडिया ने जंग शुरू होने के बाद पहली बार हताहतों की संख्या बताई है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक अब तक 13 लोगों की मौत हुई है, जिसमें 5 सैनिक हैं। वहीं, 71 घायल हुए हैं, जिसमें 21 सैनिक हैं। सबसे ज्यादा नुकसान ओड्डार मीनचे प्रांत में हुआ है। लड़ाई की वजह से हजारों लोगों को सुरक्षित जगहों पर पलायन करना पड़ा है। कंबोडिया में 35 हजार से ज्यादा लोगों को पलायन करना पड़ा है। ओड्डार मीनचे में 22,000 लोग पलायन कर गए हैं, जबकि प्रीह विहियर में 10,000 से ज्यादा लोग पलायन कर गए हैं। थाईलैंड रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता माली सोचेता ने कहा कि थाईलैंड ऐसी परिस्थितियां तैयार कर रहा है जिससे उसे कंबोडिया पर और हमला करने की वजह मिल जाएगी। जैसे थाईलैंड दावा कर रहा है कि कंबोडियाई सेना ने बॉर्डर पर एंटी पर्सनल माइंस बिछाई हैं। यह जानबूझकर किया गया था, ताकि कंबोडिया पर हमले का बहाना बनाया जा सके। थाईलैंड और कंबोडिया का इतिहास लंबे समय तक खमेर साम्राज्य (कंबोडिया) और सियाम साम्राज्य (थाईलैंड) के बीच टकरावों से जुड़ा रहा है। फ्रांस और ब्रिटिश शासन के दौरान भी दोनों देशों की सीमाओं को तनाव था, जिसकी वजह से प्रीह विहियर और ता मुएन थॉम मंदिरों के आसपास की जमीन पर अधिकार को लेकर कानूनी और राजनीतिक विवाद लगातार चलता रहा था। 1907 में जब कंबोडिया फ्रांस के अधीन था तब दोनों देशों के बीच 817 किमी की लंबी सीमा खींची गई थी।

ट्रम्प बोले- हमास की वजह से सीजफायर डील टूटी

कहा- काम खत्म करने का वक्त आ गया, हमास से छुटकारा पाना होगा

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गाजा में सीजफायर डील पर बातचीत टूटने के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया है। इससे कुछ हफ्ते पहले ट्रम्प ने कहा था कि गाजा में जल्द सीजफायर और बंधकों की रिहाई के लिए समझौता जल्द हो सकता है। इस हफ्ते ट्रम्प प्रशासन ने दोहा में चल रही बातचीत से अपने वाताकारों को वापस बुला लिया था। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को कहा कि इजराइली बंधकों की रिहाई में हमास सबसे बड़ी रुकावट है। यरूशलम

पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया कि इजराइल और अमेरिका अब मिलकर इस संकट से निपटने के लिए रास्ता खोज रहे हैं। फ्रांस जल्द ही फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देगा। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि वह सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान इस मान्यता को औपचारिक रूप से घोषित करेंगे। फिलिस्तीनी अथॉरिटी ने फ्रांस के फैसले पर खुशी जताई हैं, वहीं इजराइल ने इसका विरोध किया है। फ्रांस फिलिस्तीन को आधिकारिक मान्यता देने वाला सबसे बड़ा पश्चिमी देश है। अब तक 140 से अधिक देश फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दे चुके हैं। इनमें कई यूरोपीय देश भी शामिल हैं। फिलिस्तीनी लोग एक स्वतंत्र राज्य की मांग कर रहे हैं। इसमें वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी का क्षेत्र शामिल है। इन पर इजराइल ने 1967 की मिडिल ईस्ट वॉर के दौरान कब्जा कर लिया था। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों शुक्रवार को ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं के साथ गाजा के हालात, भूख से जूझ रहे लोगों तक मदद पहुंचाने और युद्ध को रोकने पर आपात बैठक वाले हैं। फ्रांस में यूरोप की सबसे बड़ी यहूदी और मुस्लिम आबादी रहती है। मिडिल-ईस्ट में होने वाला तनाव का असर फ्रांस में भी दिखाई देता है। मैक्रों ने 7 अक्टूबर को हमास के इजराइल पर हमले के बाद इजराइल के समर्थन में बयान दिया था। लेकिन अब गाजा में इजराइल की कार्रवाई को लेकर वे खुले तौर पर नाराजगी जता रहे हैं।

पाकिस्तान भारत से बातचीत को तैयार

नई दिल्ली के जवाब का इंतजार, बोले विदेश मंत्री इशाक डार

एजेंसी

भारत के साथ शांति वार्ता की एक पहल के रूप में पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने व्यापार और आर्थिक सहयोग से लेकर आतंकवाद-निरोध तक, कई मुद्दों पर बातचीत के लिए इस्लामाबाद की इच्छा दोहराई है। हालाँकि, डार ने यह भी कहा कि गेंद अब भारत के पाले में है और पाकिस्तान अभी भी नई दिल्ली से औपचारिक प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। अटलांटिक काउंसिल थिंक टैंक के साथ बातचीत के दौरान डार ने कहा कि पाकिस्तान व्यापार से लेकर आतंकवाद-निरोध तक सभी मोर्चों पर भारत के साथ काम करने और सहयोग करने के लिए तैयार है। उन्होंने सार्थक वार्ता की आवश्यकता पर बल दिया और समग्र वार्ता को फिर से शुरू करने का आान किया, जो एक ऐसा ढांचा है जिसका उपयोग कभी दोनों देशों द्वारा कश्मीर, सुरक्षा, लोगों के बीच आदान-प्रदान और आर्थिक संबंधों सहित द्विपक्षीय चिंताओं को दूर करने के लिए किया जाता था। डार का यह प्रस्ताव ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद आया है, जिसमें भारत ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान में नौ आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया था। पहलगाम हमले में बैसरन घाटी में 26 निर्दोष पर्यटकों की निर्दयतापूर्वक हत्या कर दी गई थी। भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव के मुद्दे पर डार ने द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार सहयोग, क्षेत्रीय स्थिरता, आतंकवाद निरोध और वैश्विक शांति पहलों पर चर्चा करने के लिए वाशिंगटन में संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की। उन्होंने युद्ध विराम की सुविधा प्रदान करके और दो परमाणु-सशस्त्र राज्यों के बीच व्यापक संघर्ष को टालकर देशों के बीच तनाव को कम करने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रुबियो द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत लगातार यह कहता रहा है कि युद्धविराम समझौता भारतीय और पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व के बीच एक द्विपक्षीय निर्णय था,

जिसमें किसी तीसरे पक्ष की कोई भागीदारी नहीं थी। आतंकवाद के मोर्चे पर, विदेश मंत्री ने द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को एक विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और एक विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) के रूप में नामित करने के संयुक्त राज्य अमेरिका के फैसले पर भी अपना रुख बदलते हुए दिखाई दिए।

> डार ने यह भी कहा कि गेंद अब भारत के पाले में है और पाकिस्तान अभी भी नई दिल्ली से औपचारिक प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। अटलांटिक काउंसिल थिंक टैंक के साथ बातचीत के दौरान डार ने कहा कि पाकिस्तान व्यापार से लेकर आतंकवाद-निरोध तक सभी मोर्चों पर भारत के साथ काम करने और सहयोग करने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान में टिकटॉक क्रिएटर की जहर देकर हत्या

शादी से इनकार करने पर मार डाला; मां-बेटी के 1 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के सिंध प्रांत के घोटकी जिले में टिकटॉक क्रिएटर सुमीरा राजपूत की शनिवार को उनके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनकी 15 साल की बेटी ने दावा किया कि कुछ लोग सुमीरा पर जबरन शादी का दबाव बना रहे थे। जब सुमीरा ने इससे इनकार किया तो उन्हें जहरीली गोलियां देकर हत्या कर दी गई। सुमीरा राजपूत एक जानी-मानी डिजिटल कंटेंट क्रिएटर थीं, जिनके टिकटॉक पर 58,000

फॉलोअर्स और 10 लाख से ज्यादा लाइक्स थे। उनकी बेटी भी टिकटॉक पर एक्टिव है और उसके भी 58,000 फॉलोअर्स हैं। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं, घोटकी जिला पुलिस अधिकारी अनवर शेख ने बेटी के दावे की पुष्टि की है। हालांकि, अभी तक इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। पाकिस्तान में पिछले महीने भी 17 साल की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सना यूसुफ की इस्लामाबाद में उनके ही घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमलावर मैट्रिक पास और बेरोजगार था और बेहद गरीब परिवार से आता है। उसने सना को कई बार प्रपोज किया था लेकिन उसने हर बार मना कर दिया था। आरोपी ने पहले सना से घर के बाहर कुछ देर बात की और फिर घर के अंदर आकर गोलियां चलाईं। सना को बहुत नजदीक से दो गोलियां लगी थी, जिसके बाद उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पाकिस्तान में पहले भी कई सोशल मीडिया स्टार की हत्या हो चुकी है। 9 साल पहले कंदील बलोच नाम की सोशल मीडिया स्टार की घर में ही हत्या कर दी गई थी। कंदील बलोच पाकिस्तान की पहली सोशल मीडिया सेलिब्रिटी मानी जाती थीं। कंदील ने अपने बोल्ड और विवादास्पद वीडियो और पोस्ट्स के जरिए सुर्खियां बटोरीं, जिसमें वो अपनी रोजमर्रा की जिंदगी और महिलाओं के अधिकार पर बात करती थीं।

कांग्रेस पर भड़के शिवराज, कारगिल और ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाना 'महापाप', बोले- ये देशद्रोह जैसा

एजेंसी

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी पर पाकिस्तान की भाषा बोलने और कारगिल विजय दिवस पर बेवजह सवाल उठाने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का विरोध करने की कोशिश में कांग्रेस देश का ही विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कारगिल विजय दिवस पर भी सवाल उठाती है। 2004 से 2009 तक, जब यूपीए सत्ता में थी, कारगिल विजय दिवस नहीं मनाया गया। यहाँ तक कि एक कांग्रेस सांसद ने भी कहा था कि हम जश्न क्यों मनाएँ? वह युद्ध एनडीए सरकार के दौरान लड़ा गया था। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब देश युद्ध लड़ता है, तो क्या वह किसी सरकार के लिए करता है? क्या ऐसे सवाल उठाना देशभक्ति है? कांग्रेस न केवल कारगिल, बल्कि ऑपरेशन सिंदूर पर भी सवाल उठाने का पाप कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस का रवैया राष्ट्र-विरोधी होने की हद तक पहुँच गया है और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हमेशा सैनिकों की बहादुरी का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह रवैया राष्ट्र-विरोधी होने की हद

> शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब देश युद्ध लड़ता है, तो क्या वह किसी सरकार के लिए करता है? क्या ऐसे सवाल उठाना देशभक्ति है? कांग्रेस न केवल कारगिल, बल्कि ऑपरेशन सिंदूर पर भी सवाल उठाने का पाप कर रही है।

तक जाता है। प्रधानमंत्री का विरोध करते-करते वे देश का ही विरोध करने लगे। वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। लेकिन हम अपने सैनिकों की बहादुरी के आगे नतमस्तक हैं। चौहान कांग्रेस नेता राशिद अल्वी द्वारा 2009 में दिए गए उस बयान का ज़िक्र कर रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि कारगिल जश्न मनाने की चीज नहीं है और एनडीए जश्न मना सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि चूँकि यह युद्ध प्रधानमंत्री अटल वाजपेयी के नेतृत्व में हुआ था, इसलिए यह पूरे देश की नहीं, बल्कि गठबंधन की जीत थी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी हमला बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी नेता सिर्फ.गलत काम करते हुए लगातार माफी मांगना जानते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कैसे लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आपातकाल, राफेल सौदे, सिख दंगों समेत कई चीजों के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि अगर वह आज कुछ गलत करेंगे।

दुख है ऐसी सरकार के समर्थन पर...

चिराग पासवान ने बिहार में अपराध पर नीतीश सरकार को घेरा

> चिराग पासवान ने आगे कहा कि यह सही है कि इस घटना की निंदा आवश्यक है, लेकिन ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? अपराधों का एक सिलसिला सा चल पड़ा है। अगर यह ऐसे ही चलता रहा, तो स्थिति भयावह होगी, बल्कि, स्थिति भयावह हो गई है।

एजेंसी

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने शनिवार को बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अपराध पर अंकुश लगाने में असमर्थ सरकार का समर्थन करने में दुख हो रहा है। एनडीए सरकार में केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि बिहार में प्रशासन हत्या, अपहरण, डकैती और बलात्कार की घटनाओं को रोकने में पूरी तरह से असमर्थ है। चिराग पासवान ने कहा कि बिहार में जिस तरह से अपराध हो रहे हैं, प्रशासन अपराधियों के सामने पूरी तरह से नतमस्तक हो गया है। चिराग पासवान ने आगे कहा कि यह सही है कि इस घटना की निंदा आवश्यक है, लेकिन ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? अपराधों का एक सिलसिला सा चल पड़ा है। अगर यह ऐसे ही चलता रहा, तो स्थिति भयावह होगी, बल्कि, स्थिति भयावह हो गई है। पासवान ने राज्य सरकार पर या तो स्थिति को छिपाने का प्रयास करने या स्थिति को संभालने में असमर्थ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर यह कहा जा रहा है कि यह चुनाव के कारण हो रहा है, तो मैं यह भी कह सकता हूं कि ऐसा हो सकता है, यह सरकार को बदनाम करने की साजिश हो सकती है, लेकिन फिर भी, इसे नियंत्रित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। आपके प्रशासन में अपराधी कैसे बच निकल रहे हैं... या प्रशासन स्थिति को छिपाने की कोशिश कर रहा है, या प्रशासन स्थिति को संभालने में पूरी तरह से असमर्थ है। उन्होंने कहा, ₹मुझे दुख है कि मैं ऐसी सरकार का समर्थन कर रहा हूं जहां अपराध अनियंत्रित हो गया है।₹ लोजपा (रालोद) नेता की यह टिप्पणी गया में होमगार्ड भर्ती अभियान में भाग ले रही 26 वर्षीय एक महिला के साथ एम्बुलेंस के अंदर कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार की घटना के बाद आई है। यह घटना 24 जुलाई को हुई थी जब शारीरिक परीक्षण के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। यह पहली बार नहीं है जब एनडीए सहयोगी ने कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर नीतीश के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर हमला किया है।

देश में किसान से ज्यादा स्टूडेंट कर रहे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा भी कहना पड़ा- कुछ तो गड़बड़ है?

> देश में छात्रों की आत्महत्याएं किसानों से भी ज्यादा चिंताजनक हैं! सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए इसे 'कुछ तो गड़बड़' बताया है। ढउफइ के अनुसार, 2022 में 13 हजार से अधिक छात्रों ने जान दी। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और अकादमिक दबाव के चलते बढ़ते इन मामलों पर रउ ने 15 सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं, जिनमें काउंसलर, उत्पीड़न रोकथाम और हॉस्टल सुरक्षा शामिल है, ताकि युवा जीवन बचाया जा सके।

एजेंसी

तुझे सूरज कहूँ या चंदा, तुझे दीप कहूँ या तारा, मेरा नाम करेगा रोशन जग में मेरा राज दुलारा₹ 70 के दशक में आई फिल्म एक फूल दो माली के गीत को सुनने पर वो इंस्पिरेशन दिखती है जो माता- पिता अपने बच्चों में देखते हैं। जब उन्हें लगता है कि बेटा बड़ा होगा या बेटी बड़ी होगी तो कुछ अच्छा, नया, इनोवेटिव करेगी। कुल का नाम रोशन करेगा। लेकिन हो क्या रहा है? देश की सर्वोच्च अदालत ने बकायदा संज्ञान लेकर कहा है कि कैंपस में कुछ तो ऐसा गलत चल रहा है, जिस पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। सबसे बड़ी बात ये है कि कोर्ट ने सुओ मोटो यानी स्वतः संज्ञान लिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की बड़ी फटकार

मरीज एटीएम नहीं, निजी अस्पतालों की मनमानी पर रोक

> मरीजों से पैसे ऐंठने वाले निजी अस्पतालों पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है, कहा है कि उन्हें 'एटीएम' की तरह नहीं देखा जा सकता। एक गर्भवती महिला की मौत के मामले में डॉक्टर की याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने जोर दिया कि बुनियादी ढांचे और डॉक्टरों की कमी के बावजूद मरीजों को लुभाना अस्वीकार्य है। यह निर्णय चिकित्सा लापरवाही के खिलाफ एक मजबूत संदेश है।

एजेंसी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मरीजों के साथ गिनी पिग या एटीएम मशीन जैसा व्यवहार किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की है और एक गर्भवती महिला की मौत के मामले में उनके खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्रवाई के खिलाफ एक डॉक्टर की याचिका खारिज कर दी है।

मध्य रेल
सामग्री प्रबंधन विभाग
ई-निविदा सूचना क्रमांक. NIT/01/25/32 दिनांक 24-जुलाई-2025

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, मध्य रेल निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

निविदा क्रमांक	विवरण	मात्रा	नियत तिथि
80253001 बी	हाई स्पीड डीजल ऑयल एचएसडी पुष्टिकरण आईएस: 1460 [नवीनतम संशोधन]	84300 लीटर	11/08/2025
27250001	उच्च पहुंच वाले पैंटोग्राफ के लिए उपयुक्त धातुकृत कार्बन पट्टी	776 नग	18/08/2025
80252238	3 फेज लोकोमोटिव के लिए कन्वर्टर ऑयल, विनिर्देश संख्या IEC 60296-2003 और विनिर्देश संख्या CLW CLW/ES/3/0172 Alt-D या नवीनतम के अनुसार	11913 लीटर	18/08/2025
81250001	एफएजी दस्तावेज संख्या EDD6318-M-J20AA-CS-M15CS 000 के अनुसार एनडीई के लिए विद्युत रूप से इंसुलेटिड डीप ग्रूव बॉल बेयरिंग, एमआरवीसी-II ईएमयू रेक में फिट किए गए बॉम्बार्डियर मोटर प्रकार MJC280-1 का ऑर्डरिंग कोड संख्या FAG 6318-M-J20AAC5MI5CS.	71 नग	25/08/2025
75252067	सामान्य जलरोधक तिरपाल खाकी, आकार 7.60 मीटर X 5.00 मीटर, IS:2089-1977	1335 नग	28/08/2025
80253128	गियर स्नेहक, बहुउद्देशीय [अत्यधिक दबाव गियर तेल to IS :1118-2019 या नवीनतम [API-GL-4 केवल 4 बॉल RIG परीक्षण के साथ]	21840 लीटर	18/08/2025

नोट : उपरोक्त सभी निविदाएं ई-निविदाएं हैं और सभी निविदाकारों से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियां IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें। उपर्युक्त निविदाओं और अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृपया IREPS वेबसाइट पर जाएं।

कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक

रेलवे फाटक को बंद स्थिति में पार करना मना है
Sai/305

संक्षेप

भदैयां बीआरसी सभागार में प्रधानाध्यापकों की बैठक

खंड शिक्षा अधिकारी ने छात्र उपस्थिति बढ़ाने और समयबद्ध कार्य पूरा करने के निर्देश दिए

सुलतानपुर, भदैयां विकास खंड के बीआरसी सभागार में खंड शिक्षा अधिकारी शिव शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में प्रधानाध्यापकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा अधिकारी ने प्रधानाध्यापकों को विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मिश्रा ने प्रधानाध्यापकों से आपरेशन कायाकल्प, आधार सत्यापन, यू-डायस प्लस और डीसीएफ फीडिंग की जानकारी ली। साथ ही निपुण भारत मिशन, स्कूल रेडिनेस गतिविधियों और प्रेरणा पोर्टल पर नए नामांकित बच्चों के विवरण की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने डीबीटी के अंतर्गत प्रदान की गई धनराशि के उचित उपयोग और लाभार्थियों की फोटो अपलोड करने की स्थिति की भी समीक्षा की। बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यालयों में छात्रों और शिक्षकों की नियमित उपस्थिति पर विशेष जोर दिया।

नवनिर्मित फीडर के नाम पर कांग्रेसियों में रोष

बघौना के बजाय समरथपुर नाम रखने पर विरोध, अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

सुल्तानपुर , बल्दीराय विद्युत उपकेंद्र पर नवनिर्मित फीडर के नामकरण को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कड़ा विरोध जताया है। शनिवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इमरान मोनू के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ता बल्दीराय उपखंड अधिकारी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने उपखंड अधिकारी को फीडर का नाम बघौना रखने की मांग का ज्ञापन सौंपा। प्रस्तावित फीडर को बघौना के बजाय समरथपुर नाम से संचालित किए जाने से क्षेत्र के लोगों में नाराजगी है। ज्ञापन में बताया गया कि अवर अभियंता आनंद भारती द्वारा कई वर्षों से क्षेत्र में आयोजित कैंप में इस फीडर को बघौना नाम से प्रस्तावित किया जा रहा था। उपखंड अधिकारी ने जल्द ही फीडर का नाम बघौना करने का आश्वासन दिया है। इमरान मोनू ने चेतावनी दी कि फीडर का नाम न बदले जाने से क्षेत्रवासियों की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ का मामला

अकेली बच्ची के साथ घर में की ज्यादती और दी जान से मारने की धमकी

सुलतानपुर, जिले के जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। वह और उनकी पत्नी सुबह से खेत में धान की रोपाई के लिए गए हुए थे। उनकी 12 वर्षीय पुत्री घर पर अकेली थी। दोपहर लगभग 12 बजे उनके ही गांव का एक व्यक्ति उनके घर में जबरन घुस आया। आरोपी ने उनकी पुत्री के साथ अशोभनीय हरकतें करनी शुरू कर दीं। जब लड़की ने विरोध करते हुए शोर मचाया, तो आरोपी ने उसे किसी को भी घटना के बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया।

सपा ने मनाया संविधान मान स्तम्भ स्थापना दिवस

सपा प्रदेश अध्यक्ष बोले-भाजपा लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने पर आमादा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, समाजवादी पार्टी ने संविधान मान स्तम्भ स्थापना दिवस के रूप में पूरे जिले में कार्यक्रमों का आयोजन किया। पार्टी ने इस अवसर पर केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। सपा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद नरेश उत्तम पटेल ने आरोप लगाया कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने पर आमादा है। सत्ता में रहकर संविधान की आत्मा के खिलाफ काम कर रही है। गंगापार क्षेत्र के बाबूगंज (फूलपुर विधानसभा) में आयोजित कार्यक्रम में जनसमूह को संबोधित करते हुए नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि भाजपा संसद में न तो किसानों की समस्याओं पर बात करना चाहती है, न बेरोजगारी, महंगाई, महिला सुरक्षा जैसे ज्वलंत मुद्दों पर बहस के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि देश में पूंजीवादी ताकतें हावी

होती जा रही हैं। इसका मुकाबला सिर्फ समाजवादी विचारधारा के रास्ते पर चलकर ही किया जा सकता है। कार्यक्रम की शुरूआत सहसों चौराहे पर स्थित छत्रपति शाहू जी महाराज की मूर्ति पर माल्यार्पण से हुई। उन्होंने डॉ. लोहिया और मुलायम सिंह यादव के विचारों को आत्मसात करने की अपील की। यह आयोजन सपा द्वारा पिछले साल शुरू किए गए संविधान मान स्तम्भ स्थापना की पहली वर्षगांठ के रूप में किया गया। पूरे प्रदेश में इस दिन को सपा ने आरक्षण दिवस के रूप में मनाया हुए नारा दिया ₹आरक्षण बचाओ, पीडीए मजबूत करो₹। कार्यक्रमों में वक्ताओं ने भाजपा और आरएसएस पर देश में भाईचारे को तोड़ने, धार्मिक उन्माद फैलाने और सामाजिक न्याय की अवधारणा को कमजोर करने का आरोप लगाया। समाजवादी पार्टी ने एक ही दिन में तीन प्रमुख स्थानों पर जनसभाएँ की जिसमें गंगापार (बाबूगंज), यमुनापार (कोहड़ार), (कोरांव) शहर ,कटरा शामिल है। बाबूगंज कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अनिल यादव और संचालन उपाध्यक्ष जीतलाल यादव ने किया। इस मौके पर कई प्रमुख नेता मौजूद रहे जिनमें पूर्व सांसद धर्मराज पटेल, विधायक विजमा यादव, हाकिम लाल बिंद, गीता शास्त्री, सत्यवीर मुन्ना, मुजतबा सिद्दीकी, मुकेश यादव शामिल थे। कोहड़ार (यमुनापार) के कार्यक्रम में पूर्व सांसद डॉ. रमेश चंद्र बिंद, जिलाध्यक्ष पप्पूलाल निषाद और विधायक संदीप पटेल मुख्य वक्ता रहे। कटरा (महानगर) में हुए कार्यक्रम में सपा प्रदेश महासचिव प्रेम प्रकाश वर्मा, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, हाजी परवेज अहमद, मनीष यादव बबलू, सचिन श्रीवास्तव सहित कई नेताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकताओं ने संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

चारपाई पर मिला शव, पास में सोए थे दो मासूम बच्चे; पति खेत से लौटा तो हुआ खुलासा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, गंगापार स्थित सोरांव थाना क्षेत्र के नूरपुर गांव में शनिवार सुबह एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला का शव घर के अंदर चारपाई पर मिला, जबकि उसके पास ही उसके दोनों मासूम बच्चे सो रहे थे। घटना का पता तब चला जब महिला के पति बृजेश कुमार पटेल खेत से लौटे। उन्होंने देखा कि घर का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक आवाज देने और दरवाजा खटखटाने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला। शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हुए और किसी तरह दरवाजा खोला गया। अंदर का दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गए। सीमा का शव चारपाई पर पड़ा था और उसके दोनों बच्चे पास ही सो रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, बृजेश की शादी

सीमा से 2016 में हुई थी। वह खेती-किसानी करके अपना परिवार चलाता था।

ग्रामीणों का आरोप है कि बृजेश नशे का आदी था और अक्सर सीमा से विवाद और मारपीट करता था। इस कारण महिला की मौत को लेकर हत्या की आशंका भी जताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस परिवार और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच में जुटी है।

विवाहिता को भगा ले जा रहा था युवक

ग्रामीणों ने पकड़ा, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, गौरीगंज थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक युवक विवाहिता को भगाकर ले जा रहा था, जिसे ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। गांव का ही रहने वाला सलमान कुरैशी पुत्र वाहिद कुरैशी एक विवाहिता को भगाकर ले

जा रहा था। दोनों जैसे ही गांव के बाहर पहुंचे, ग्रामीणों की नजर उन पर पड़ गई। ग्रामीणों ने तुरंत दोनों को पकड़ लिया और विवाहिता के परिजनों को फोन पर सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर थाने ले गई। विवाहिता के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक सलमान कुरैशी के खिलाफ धारा 87, 137(2) और 351(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। विवाहिता के भाई के अनुसार, आरोपी ने उसकी बहन को कई बार भागने के लिए मोबाइल पर मैसेज भेजे थे। उसने न भागने पर जान देने और विवाहिता के परिजनों को फंसाने की धमकी भी दी थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आमरण अनशन पर बैठे किसानों की चौथे दिन बिगड़ी तबीयत

सुल्तानपुर में एसडीएम के तानशाही रवैये से नाराज किसान नेता, 2 अस्पताल में भर्ती

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, लंभुआ तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन (हिंद) के पांच पदाधिकारी एसडीएम/ जॉइंट मजिस्ट्रेट गामिनी सिंगला के कार्यशैली से नाराज होकर बुधवार से आमरण अनशन पर बैठे हैं। अनशन के चौथे दिन शनिवार को दो किसान नेताओं की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। अनशन पर बैठे नेताओं में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रभात कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष कमलेश वर्मा, अनुराग सिंह, देवतादीन यादव और बृजेन्द्र कुमार चौरसिया शामिल हैं। चिकित्सकीय जांच में अनशनकारियों का रक्तचाप और शुगर स्तर नीचे गिरता पाया गया है। इसके कारण प्रभात कुमार

सिंह और एक अन्य नेता को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर निवर्तमान राष्ट्रीय मीडिया कोऑर्डिनेटर राजेश तिवारी धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने किसान नेताओं से बातचीत की और बाद में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय से भी उनकी बात कराई। प्रदेश अध्यक्ष ने किसानों के आंदोलन का समर्थन करने का आश्वासन दिया। सुभासपा के जिलाध्यक्ष विनीत सिंह ने भी अपने समर्थकों के साथ किसान नेताओं से मुलाकात की। प्रशासन की ओर से एसडीएम कादीपुर उत्तम तिवारी और सीओ सिटी प्रशांत सिंह को वार्ता के लिए भेजा गया। दोपहर करीब 2 बजे नायब तहसीलदार प्रांजल त्रिपाठी के साथ अधिकारियों ने किसानों को अनशन तोड़ने के लिए मनाने का प्रयास किया, लेकिन किसान नहीं माने।

घर के बरामदे में मिला युवक का शव

परिजनों ने अचेत हालत में पाया, अस्पताल में चिकित्सकों ने मृत घोषित किया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, जामों कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर में एक दुखद घटना सामने आई है। गिरधर शाह निवासी 39 वर्षीय दयाशंकर यादव का शव उनके घर के बरामदे में मिला। जानकारी के अनुसार, दयाशंकर यादव रात को अपने घर के बरामदे में सो रहे थे। सुबह जब परिजनों ने उन्हें देखा तो वह अचेत अवस्था में थे। परिजन तुरंत उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए। वहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने दयाशंकर को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद गौरीगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है। मृत्यु के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा।

कारगिल विजय दिवस पर मथुरा में संगोष्ठी

भाजपा नेताओं ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि, राष्ट्रभक्ति की भावना से गूंजा मंच

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भाजपा मथुरा महानगर द्वारा शनिवार को जिला संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम भाजपा कार्यालय, पुष्पांजलि उपवन में शाम 5 बजे संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व बृज क्षेत्र महामंत्री नागेंद्र दुबे 'गामा', राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक मेघश्याम सिंह और भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर 'राजू' यादव सहित अन्य गणमान्य लोगों ने वीर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए नागेंद्र दुबे ने कहा कि कारगिल युद्ध ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारतीय सेना दुनिया की सबसे वीर और समर्पित सेनाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों ने विषम परिस्थितियों में दुश्मन को परास्त कर भारत का मान

बढ़ाया है। राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह ने कहा कि कारगिल विजय दिवस सिर्फ एक तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस प्रसंग से प्रेरणा लेकर देशसेवा में आगे आएं। भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर यादव ने कहा कि भाजपा परिवार के लिए यह दिन गौरव और श्रद्धा का प्रतीक है। उन्होंने संकल्प लिया कि शहीदों के सपनों का भारत निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में महापौर विनोद अग्रवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष डी.पी. गोयल, पूर्व महानगर अध्यक्ष चेतन स्वरूप पाराशर और पूर्व ब्लॉक प्रमुख पन्नालाल गौतम भी उपस्थित थे। इसके अलावा किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष हीरा सिंह कुंतल, युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री पवन हिंडोल और विधि प्रकोष्ठ बृज क्षेत्र संयोजक रामकिशन पाठक सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

नाले के लिए मानक विरुद्ध खुदाई पर भड़के व्यापारी

अमेठी में दुकानों से सटाकर की गई खुदाई, नींव तक पहुंचे गड्ढे से दहशत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, नगर पंचायत द्वारा नाला निर्माण के लिए की जा रही खुदाई के विरुद्ध स्थानीय व्यापारी विरोध कर रहे हैं। कस्बे के अम्बेडकर तिराहे के पास नाले के लिए खोदे गए गड्ढे कई व्यापारियों की दुकानों की नींव तक पहुंच गए हैं। इससे व्यापारियों में दहशत का माहौल है। व्यापारियों का आरोप है कि खुदाई के दौरान मानकों को अनदेखा किया गया है। खुदाई घरों और दुकानों से सटाकर की गई है। इससे भविष्य में इमारतों को खतरा उत्पन्न हो सकता है। बारिश के पानी की निकासी के लिए नगर पंचायत अमेठी द्वारा कस्बे के कांग्रेस कार्यालय से अम्बेडकर तिराहा तक करीब 200 मीटर नाले का निर्माण कराया जा रहा

है। नाला निर्माण के लिए तीन दिन पहले जेसीबी से खुदाई की गई थी। खुदाई के कारण मधुर मिलन टेलीकॉम की सेफ्टी टैंक की दीवार गिर गई है। इसके अलावा खुदाई मकान और दुकानों से सटाकर की गई है। इस कारण नींव तक गड्ढे पहुंच गए हैं। स्थानीय मोबाइल दुकान व्यवसायी अनूप मौर्य ने बताया कि दुकान के सामने पांच फीट जगह छोड़ी गई थी। लेकिन रात में जेसीबी आई और दुकान से सटाकर गड्ढे को खोद दिया गया। इससे काफी नुकसान हुआ है और आने-जाने की जगह भी नहीं बची है। एक अन्य मोबाइल व्यवसायी अतुल गुप्ता ने कहा कि बिना किसी मानक और चिन्हांकन के नगर पंचायत द्वारा खुदाई कर दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि रात के अंधेरे में जब सब सो रहे थे, तब जेसीबी आई और दुकानों से सटाकर खुदाई करके चली गई।

व्यापारियों का यह भी कहना है कि जब नगर पंचायत द्वारा दुकानों का आवंटन किया गया था, तब उनसे कहा गया था कि दुकान के सामने पांच फीट तक कोई निर्माण कार्य नहीं कराया जाएगा। लेकिन अब नगर पंचायत गलत तरीके से खुदाई कर नाले का निर्माण करा रही है।

होटल से बरामद हुईं दो किशोरियां

7 दिन से थीं गायब, बड़ी बहन टॉयलेट के बहाने भागकर पहुंची घर, आरोपी फरार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, यूपी के अलीगढ़ जिले में 7 दिन से लापता दो बहनें एक होटल से बरामद की गई है। एक बहन टॉयलेट का बहाना बनाकर होटल से घर पहुंची और मां को जानकारी दी। इसके बाद मां और बेटी ने थाने पहुंचकर पुलिस को सारी जानकारी दी। पुलिस ने होटल में दबिश दी और दूसरी किशोरी को बरामद कर लिया। वहीं, होटल संचालक और किशोरियों को भगा कर ले जाने वाले दोनों आरोपी फरार हो

गए। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। जानकारी के मुताबिक, शहर के थाना रोरावर क्षेत्र में एक मजदूर परिवार रहता है। परिवार की दो किशोरियां 18 जुलाई को गायब हो गई। दोनों की उम्र करीब 14 और 16 रही होगी। इनकी मां घरों में काम करती है और पिता शराब अधिक पीता है। परिवार के लोग दोनों किशोरियों को तलाश रहे थे। एक किशोरी किसी तरह घर पहुंची। उसने मां को बताया कि उसको और छोटी बहन को एक होटल में बन्धक बना रखा था। वह टॉयलेट करने का बहाना बनाकर होटल से भाग कर आई है। उसने बताया कि जफर नाम का एक युवक दोनों को दिल्ली ले गया था। वहां से वापस ले आया और एक होटल में बन्धक बनाकर रखा था। वह किसी से मिलने नहीं दे रहा था

यूनीक फाउंडेशन का तरुवंश सम्मान कार्यक्रम

होम्योपैथिक चिकित्सकों ने किया पौधरोपण, 51 लोगों को मिला सम्मान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, यूनीक फाउंडेशन द्वारा अमहट में तरुवंश सम्मान 2025 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में होम्योपैथिक चिकित्सकों और चिकित्सा प्रतिनिधियों ने पौधरोपण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षक और साहित्यकार सर्वेश कांत वर्मा ने की। मुख्य अतिथि जिला परियोजना अधिकारी अभिनंदन प्रताप सिंह ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन के अनमोल रत्न हैं। उन्होंने बताया कि शुद्ध पर्यावरण के लिए हमें अपने जीवन से ज्यादा इसकी देखभाल करनी चाहिए। पेड़-पौधों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

प्राथमिक स्कूलों के मर्जर के विरोध में सपा का कदम

अमेठी में सपा नेता ने शुरू की पीडीए पाठशाला, 40 बच्चे कर रहे पढ़ाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर के विरोध में समाजवादी पार्टी ने अपना कदम उठाया है। अमेठी के सपा नेता जय सिंह प्रताप यादव ने भादर ब्लॉक के स्माइलपुर ग्रामसभा के रायपुर गांव में बंद हुए प्राथमिक विद्यालय के स्थान पर 'पीडीए पाठशाला' शुरू की है। इस पाठशाला में लगभग 40 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव ने बच्चों को पुस्तक, कॉपी और पेन भी वितरित

किए हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी लोग अखिलेश यादव के आह्वान पर बच्चों को हर संभव मदद और शिक्षा देने का प्रयास जारी रखेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस पहल को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा करते हुए लिखा है कि पीडीए समाज के युवाओं द्वारा एआई के माध्यम से 'पीडीए पाठशाला' की संकल्पना को चित्रित करना सराहनीय है। उन्होंने बताया कि कुछ गांवों के युवा साइकिल पर किताबें लेकर बच्चों को पढ़ाने निकल चुके हैं। अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि शिक्षा आय-व्यय और लाभ-हानि की तराजू पर तौली जाने वाली चीज नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा और प्रतिभा को प्रोत्साहन देना समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता रही है और सदैव रहेगी।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी ,एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प)मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई ,ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी